धनबाद, शनिवार
09 मई 2026
वर्ष : 03 अंक : 218
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ेगा पारा, कई राज्यों में ओलावृष्टि की चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : दिल्ली-एनसीआर के क्षेत्रों में शुक्रवार को आसमान साफ रहा। यहां का अधिकतम तापमान 33-35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे मौसम में कल के मुकाबले आज हल्की गर्मी रही। वहीं, देश के अन्य हिस्सों जैसे मध्य प्रदेश और झारखंड में ओलावृष्टि, जबकि गुजरात में लू चलने का अनुमान है। भारतीय मौसम विभाग केन्द्र के अनुसार शनिवार को भी मौसम साफ रहने के आसार हैं। यहां का अधिकतम तापमान 35-37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। हवा का रूख भी दक्षिण-पूर्व दिशा से उत्तर पूर्व दिशा की ओर 10-15 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने की संभावना है। रविवार को भी यही स्थिति रहेगी और अधिकतम तापमान 37-39 जबति न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। इसके अलावा, राजधानी में 11 मई को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और हल्की वर्षा होने का अनुमान है।

शेष पृष्ठ-4....

केदारनाथ धाम में दर्शनार्थियों की संख्या चार लाख पार

केदारनाथ, (एजेंसी) : केदारनाथ धाम यात्रा 2026 को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन के लिए धाम पहुंच रहे हैं। यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 4,01,748 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं।

जिला प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, 8 मई 2026 को सायं 5 बजे तक एक ही दिन में 19,466 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ धाम में दर्शन किए। लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए प्रशासन यात्रा व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने में जुटा है ाजिलाधिकारी रुद्रप्रयाग विशाल मिश्रा ने बताया कि यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता, यातायात, पार्किंग तथा आपदा प्रबंधन की व्यवस्थाएं लगातार सुदृढ़ की गईं हैं। जिला प्रशासन की ओर से यात्रा मार्ग और धाम क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम यात्रा अनुभव मिल सके। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे मौसम की जानकारी प्राप्त करने के बाद ही यात्रा करें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें।

भाजपा ने कसा तंज, कहा- विपक्ष को तोड़ने का काम कर रहे हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी) : तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर कांग्रेस और तमिलगा वेत्री कड़गम(टीवीके) गठजोड़ पर सियासी घमासान तेज हो गया है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वे आज भारतीय राजनीति में सबसे बड़े मौकापरस्त साबित हुए हैं, जो हर राज्य में क्षेत्रीय दलों के कंधों पर सवार होकर राजनीति करना चाहते हैं, लेकिन बदले में उन्हीं सहयोगियों को राजनीतिक नुकसान पहुंचाते हैं। चुग ने शुक्रवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल की राजनीतिक परिस्थितियां यह साफ दिखा रही हैं कि राहुल गांधी विपक्ष को मजबूत करने नहीं बल्कि तोड़ने का काम कर रहे हैं। चुग ने कहा कि इंडी गठबंधन का सबसे बड़ा संकट नेतृत्व का नहीं बल्कि भरोसे का है, क्योंकि राहुल गांधी अपने सहयोगियों के लिए राजनीतिक बोझ बन चुके हैं।उन्होंने कहा कि बंगाल में सहयोगियों के साथ टकराव, तमिलनाडु में सत्ता समीकरणों पर असमंजस और केरल में कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई यह साबित करती है कि राहुल ने विपक्षी राजनीति को अविश्वास और भ्रम की राजनीति में बदल दिया है।

बंगाल की जनता का विश्वास टूटने नहीं देंगे : अमित शाह

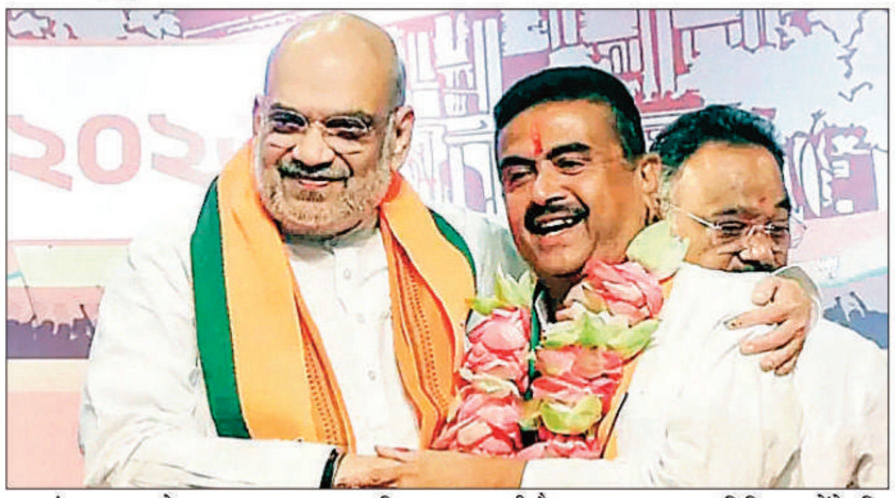

संवाददाता, कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बंगाल की जनता का विश्वास टूटने नहीं देगी। शुक्रवार को कोलकाता के विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद संवाद माध्यमों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा और नरेंद्र मोदी पर भरोसा करके बंगाल की जनता ने जो प्रचंड जीत दी है, उसके लिए मैं आभारी हूं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपका विश्वास डिगे नहीं। हम सोनार बंगाल के लक्ष्य को जारी रखेंगे।

गृह मंत्री ने भरोसा दिलाया कि इसके बाद घुसपैठ और गौ तस्करी नहीं हो सकेगी। अमित शाह ने राजनीतिक हिंसा में मारे गए पार्टी कार्यकताओं को याद करते हुए कहा कि 321 भाजपा कार्यकताओं ने इस जीत के लिए अपनी जान दे दी। मैंने पूरे देश का दौरा किया है। ऐसी हिंसा हमने केरल और बंगाल के अलावा कहीं और नहीं देखी है। अमित शाह ने राजनीतिक हिंसा के शिकार हुए 321 भाजपा कार्यकताओं के परिवारों को नमन किया।

बंगाल में बड़ी जीत के लिए अमित शाह ने बंगाल की जनता के साथ-साथ चुनाव आयोग, राज्य प्रशासन और राज्य पुलिस को धन्यवाद दिया। इसके साथ ही उन्होंने स्वामी रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महर्षि अरविन्द और रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसी महान विभूतियों का भी स्मरण किया।

लोक भवन जाकर शुभेंदु ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, राज्यपाल को सौंपा विधायकों का समर्थन पत्र

संवाददाता, कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद भावी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने लोकभवन में राज्यपाल से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। शुक्रवार की शाम राज्यपाल आरएन रवि को भाजपा विधायकों के हस्ताक्षरयुक्त समर्थन पत्र सौंपे गए।

भाजपा प्रतिनिधि मंडल में शुभेंदु अधिकारी के साथ प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य, केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार, भाजपा सांसद शांतनु ठाकुर, पूर्व सांसद लाकेट चटर्जी, विधायक दिलीप घोष एवं तापस राय तथा उड़ीसा के मुख्यमंत्री मोहन चारण माझी मौजूद थे'

शनिवार को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शुभेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। आज ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें भाजपा विधायक दल का नेता घोषित किया। शुक्रवार शाम लोक भवन पहुंचकर भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों ने राज्यपाल को समर्थन पत्र सौंपा।

अमित शाह और मोहन चारण माझी की मौजूदगी में शुक्रवार को विश्व बंगला कन्वेंशन सेंटर में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से शुभेंदु अधिकारी को विधायक दल का नेता और मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार चुना गया।

इससे पहले गुरुवार को लोक भवन की ओर से पश्चिम बंगाल की सत्रहवीं विधानसभा भंग करने की अधिसूचना जारी की गई थी। राज्यपाल आरएन रवि के कार्यालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया कि 7 मई से विधानसभा भंग करने का आदेश प्रभावी हो गया है।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार विधानसभा भंग होने के साथ ही मौजूदा सरकार भी प्रभावी रूप से समाप्त मानी जा रही है।

भाजपा विधायकों के समर्थन पत्र सौंपने के बाद अब संवैधानिक प्रक्रिया के तहत शनिवार को राज्यपाल नई भाजपा सरकार को शपथ दिलाएंगे।

विधायक सरयू राय ने राज्यपाल संतोष गंगवार को गंगा दशहरा कार्यक्रम के लिए किया आमंत्रित

रांची, (एजेंसी) : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से शुक्रवार को झारखंड विधानसभा के सदस्य सरयू राय ने रांची स्थित लोक भवन में शिष्टाचार मुलाकात की।

इस दौरान विधायक सरयू राय ने राज्यपाल को 25 मई को चूल्हापानी में आयोजित होने वाले गंगा दशहरा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया। मुलाकात के दौरान कार्यक्रम की रूपरेखा और आयोजन से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। गंगा दशहरा के अवसर पर क्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की संभावना है।

सोमनाथ मंदिर भारत की सभ्यता, स्वाभिमान और अदम्य आस्था का प्रतीक

पीएम मोदी ने मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर कही बात

नई दिल्ली,(एजेंसी) : पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर को भारत की सभ्यता, स्वाभिमान और अदम्य आस्था का प्रतीक बताते हुए कहा है कि यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक चेतना और अटूट संकल्प का जीवंत प्रतीक है। पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर लिखे अपने विशेष लेख में पीएम मोदी ने कहा कि 11 मई को उन्हें एक बार फिर सोमनाथ जाने का अवसर मिल रहा है, जो उनके लिए सौभाग्य की बात है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि 2026 की शुरूआत में आयोजित ह्वसोमनाथ स्वाभिमान पर्वह्व में शामिल होने का अवसर मिला था, जो मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। अब पुनर्निर्माण की 75वीं वर्षगांठ भारत की उस अविनाशी

चेतना का उत्सव है, जिसने हर विध्वंस के बाद नए संकल्प के साथ स्वयं को पुनर्स्थापित किया है। उन्होंने लिखा कि सोमनाथ के तट से टकराती समुद्री लहरें सदियों से यह संदेश देती रही हैं कि मानव चेतना और आस्था को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता।

अपने लेख में पीएम मोदी ने उन महान विभूतियों का भी स्मरण किया जिन्होंने विभिन्न कालखंडों में सोमनाथ की रक्षा और पुनर्निर्माण में योगदान दिया। उन्होंने महाराज धारसेन चतुर्थ, राजा भोज, कर्णदेव सोलंकी, अहिल्याबाई होल्कर, गायकवाड़ शासकों तथा वीर हमीरजी गोहिल और वेगड़ाजी भील जैसे योद्धाओं के योगदान को याद किया।

पीएम मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि 13 नवंबर 1947 को उन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का प्रण लिया था। बाद में केएम मुंशी और अन्य राष्ट्रनायकों के प्रयासों से मंदिर का पुनर्निर्माण संभव हुआ। उन्होंने याद दिलाया कि 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मंदिर का लोकार्पण किया था।

पीएम ने कहा कि पिछले एक दशक में सरकार ने ह्वविकास भी, विरासत भीह्व के मंत्र पर चलते हुए देश के प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा है। इससे पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिली है। उन्होंने देशवासियों से सोमनाथ धाम की यात्रा करने का आह्वान करते हुए कहा कि वहां केवल भक्ति ही नहीं, बल्कि भारत की अपराजित आत्मा और सांस्कृतिक निरंतरता का भी अनुभव होता है।

पूर्वोत्तर के लिए वन साइज फिट्स ऑल मॉडल कारगर नहीं, राज्य-विशेष समाधान जरूरी : डॉ. भूटानी

आइजोल, (एजेंसी) : केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के सचिव आशीष कुमार भूटानी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों की भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां देश के अन्य हिस्सों से अलग हैं, इसलिए सहकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में ह्वएक जैसा मॉडलह्व प्रभावी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के लिए राज्य-विशेष समाधान और लचीले दिशा-निदेर्शों की आवश्यकता है।मिजोरम की राजधानी आइजोल में आयोजित क्षेत्रीय सहकारी सुधार सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. भूटानी ने कहा कि यह कार्यशाला पूर्वोत्तर राज्यों की चुनौतियों और जमीनी आवश्यकताओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित हुई है। उन्होंने कहा कि मुख्य भूमि से दूरी, सीमित कनेक्टिविटी और स्थानीय परिस्थितियां सहकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में विशेष दृष्टिकोण की मांग करती हैं।उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय पूर्वोत्तर राज्यों के साथ नियमित वीडियो कॉन्फ्रेंस और समीक्षा बैठकों के माध्यम से लगातार संवाद बनाए हुए है ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सके। डॉ. भूटानी ने कहा कि राज्यों द्वारा प्रस्तुत रिपोर्टों और अनुभवों से मंत्रालय को जमीनी स्तर की वास्तविकताओं को

समझने में मदद मिली है।सहकारिता सचिव ने क्षमता निर्माण पर जोर देते हुए कहा कि राज्य स्तर पर योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने, अवधारणा विकास और प्रभावी क्रियान्वयन क्षमता को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सहकारिता मंत्रालय पूर्वोत्तर राज्यों को सहकारी बैंकिंग, मानव संसाधन और वित्तीय सहायता सहित हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराएगा।

उन्होंने कहा कि सहकारी बैंकिंग सुधार मंत्रालय की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं और शहरी सहकारी बैंकों के लिए तकनीकी प्लेटफॉर्म का मानकीकरण करने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे लागत कम होगी, दक्षता बढ़ेगी और ग्राहकों को आधुनिक बैंकिंग सेवाएं मिल सकेंगी।

डॉ. भूटानी ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना को पूर्वोत्तर राज्यों में मिशन मोड में लागू किया जाएगा। साथ ही सहकारी संस्थाओं के माध्यम से कृषि ऋण पहुंच बढ़ाने और भंडारण अवसंरचना मजबूत करने पर भी विशेष फोकस किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में ऑर्गेनिक खेती, बागवानी, मत्स्य पालन, बांस और पारंपरिक उत्पादों के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। राष्ट्रीय सहकारी नेटवर्क के जरिए इन उत्पादों को घरेलू और वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने की दिशा में काम किया जा रहा है। ह्वभारत ऑर्गेनिक्स जैसी पहलों के माध्यम से किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने पर भी मंत्रालय जोर दे रहा है।सम्मेलन में सहकारी बैंकिंग सुधार, साइबर सुरक्षा, एमपैक्स सुदृढ़ीकरण, डेयरी एवं मत्स्य सहकारी संस्थाओं, वैल्यू चेन विकास और मार्केट लिंकज जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ नाबार्ड, एनसीडीसी, एनडीडीबी, एनएफडीबी और एनईडीएफआई के अधिकारियों ने भी सम्मेलन में भाग लिया।

बुलंदशहर में हाईवे किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी बाइक, पति -पत्नी व तीन बच्चों समेत 5 की मौत

बुलंदशहर, (एजेंसी) : उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में शुक्रवार को एनएच-34 पर हुए एक हादसे में ट्रक से टकरा कर बाइक सवार माता-पिता और तीन बच्चों व सहित कुल पांच लोगों की मौत हो गयी। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हादसे का शिकार हुआ परिवार वैष्णो देवी धाम के दर्शन कर लौटा था और रिश्तेदार के घर रुकने के बाद आज अपने गांव लौट रहा था।जानकारी के अनुसार बुलंदशहर में खुर्जा की तरफ से उत्तम सिंह बाइक से पत्नी और तीन बच्चों के साथ बुलंदशहर नगर के धमेड़ा अड्डा की तरफ अपने घर आ रहे थे। देहात कोतवाली में एनएच-34 पर भंसौली कट के पास बाइक सड़क के किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही पांचों की मौत हो गई। मृतकों में उत्तम, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटा निशांत, बेटी दिशा और मासूम अनायरा शामिल हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही एसएसपी बुलंदशहर, एसपी सिटी, सीओ और स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू की । प्रारंभिक जांच में पता चला है कि हादसे का शिकार हुए कोतवाली नगर क्षेत्र के गांव धानेरा कीरत निवासी 38 वर्षीय उत्तम पुत्र महिपाल सिंह अपनी पत्नी उर्मिला और तीन बच्चों के साथ वैष्णो देवी दर्शन कर वापस आये थे और खुर्जा में अपने एक रिश्तेदार के यहां रुके थे। शुक्रवार को सभी लोग बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान कोतवाली देहात क्षेत्र के भासौली मोड़ के पास यह हादसा हो गया।मौके पर पहुंचे एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया घटना दुर्भाग्यपूर्ण घटित हुई है । इस हादसे में उत्तम सिंह व उनकी पत्नी उर्मिला व तीन बच्चों की मौत हुई है। यह परिवार धानेरा कीरत का रहने वाला था। घटनास्थल से एक हरियाणा नम्बर प्लेट ट्रक की मिली है और हम हादसे की जांच कर रहे हैं।

राजरप्पा मंदिर परिसर के पुनर्विकास एवं दुकानदारों के पुनर्वास को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : राजरप्पा मंदिर परिसर के प्रस्तावित पुनर्विकास कार्यों एवं विस्थापित दुकानदारों के पुनर्वास को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में झारखंड सरकार के दर्जा प्राप्त मंत्री फागु बेसरा, विधायक रामगढ़ ममता देवी, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार, न्यास समिति के सदस्य, मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य, दुकानदार समिति के सदस्य सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।उच्च न्यायालय झारखंड द्वारा पारित आदेश के आलोक में बैठक के दौरान राजरप्पा मंदिर परिसर के समग्र पुनर्विकास से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई. विशेष रूप से मंदिर परिसर में वर्तमान में संचालित दुकानों, विस्थापित होने वाले दुकानदारों के पुनर्वास एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।बैठक के दौरान अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि विस्थापित दुकानदारों के लिए अस्थायी रूप से मंदिर परिसर में 271 दुकानों का निर्माण कराया जाएगा, ताकि पुनर्विकास कार्यों के दौरान दुकानदारों की आजीविका प्रभावित न हो तथा श्रद्धालुओं को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।बैठक को संबोधित करते हुए दर्जा प्राप्त मंत्री फागु बेसरा ने कहा कि राजरप्पा मंदिर झारखंड की आस्था का प्रमुख केंद्र है।मंदिर परिसर के विकास के साथ-साथ स्थानीय दुकानदारों एवं आम लोगों के हितों का संरक्षण सरकार की प्राथमिकता है। सभी कार्य आपसी समन्वय एवं सहमति से किए जाएंगे।विधायक रामगढ़ ममता देवी ने कहा कि पुनर्विकास कार्यों के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी दुकानदार को अनावश्यक परेशानी न हो।श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार के साथ स्थानीय लोगों के रोजगार एवं हितों का भी विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।उपायुक्त ऋतुराज ने बैठक के दौरान कहा कि राजरप्पा मंदिर परिसर के पुनर्विकास का उद्देश्य श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है।इसके साथ ही प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि विस्थापित दुकानदारों के पुनर्वास की प्रक्रिया व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण हो।उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि दुकानदारों के पुनर्वास, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए। साथ ही सभी संबंधित पक्षों के साथ नियमित संवाद स्थापित कर योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।बैठक के दौरान मंदिर प्रबंधन समिति एवं दुकानदार समिति के सदस्यों ने भी अपने सुझाव एवं समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं, जिस पर उपायुक्त ने सकारात्मक पहल करते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त खबरें

भारत में नई एआई सुविधा लाने के लिए आईबीएम और योटा की साझेदारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांचीः आईबीएम और योटा डाटा सर्विसेज ने भारत में कंपनियों और सरकारी संस्थानों के लिए नई एआई सुविधा शुरू करने की योजना की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत योटा के शक्ति क्लाउड पर आईबीएम की एआई तकनीक उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे कंपनियां अपने डेटा को सुरक्षित रखते हुए बड़े स्तर पर एआई का इस्तेमाल कर सकेंगी। कंपनियों के अनुसार यह सुविधा आईटी, फाइनेंस, एचआर, खरीद प्रक्रिया और कस्टमर सपोर्ट जैसे विभागों में काम को तेज और आसान बनाने में मदद करेगी। इसके साथ आईबीएम सॉवरेन कोर को भी योटा के शक्ति क्लाउड पर उपलब्ध कराने की योजना है, जिससे डेटा सुरक्षा, नियमों के पालन और डिजिटल नियंत्रण को मजबूत किया जा सकेगा। कंपनियों का कहना है कि इससे भारतीय संस्थानों को देश के भीतर सुरक्षित क्लाउड वातावरण मिलेगा और एआई आधारित कामकाज को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकेगा। योटा डाटा सर्विसेज के सह-संस्थापक एवं सीईओ सुनील गुप्ता ने कहा कि इसका उद्देश्य भारतीय कंपनियों को सुरक्षित और भरोसेमंद एआई सुविधा उपलब्ध कराना है, जबकि आईबीएम इंडिया और साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक संदीप पटेल ने कहा कि यह सहयोग संस्थानों को जिम्मेदारी के साथ बड़े स्तर पर एआई अपनाने में मदद करेगा।

रिनपास में भर्ती युवक ने की आत्महत्या

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो साइकेट्री एंड एलायड साइंस (रिनपास) में भर्ती मरीज विवेक कुमार ने आत्म हत्या कर ली। वह 24 साल का था। मूल रूप से टोनाटांड़, इटखोरी, चतरा का रहने वाला था।भाई शेखर सिंह ने युवक को नौ अप्रैल को भर्ती कराया था। विवेक को नशे की लत थी। मिली जानकारी के अनुसार विवेक शुक्रवार की सुबह नाश्ते के बाद अपने वार्ड में चला गया था।वहां करीब 11 बजे उसने अपने पास रखे तौलिया से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। मरीज की शादी नहीं हुई थी। विवेक रिनपास के मेल वार्ड के नये भवन में भर्ती था।

उधवा की मजदूर की पुणे में आम पेड़ में हाइटेंशन तार के चपेट में आने से मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : साहिबगंज जिला के उधवा के मजदूर की महाराष्ट्र के पुणे शहर में हाइटेंशन तार की चपेट में आने से मौत हो गई है।जानकारी के अनुसार राधानगर थाना क्षेत्र के दक्षिण पालसगाछी पंचायत अंतर्गत कोयस टोला गांव के सेहबुद शेख विगत दिनों महाराष्ट्र के पुणे में आम बागान में मजदूरी करने गया था।शुक्रवार कि सुबह आम के पेड़ में आम तोड़ने के लिए चढ़ा था।इधर आम के पेड़ से सटे हाइटेंशन तार गुजरा हुआ था।सेहबुद शेख आम तोड़ने के लिए जैसे ही चढ़ा तो हाइटेंशन तार की चपेट आ गया एवं मौके पर ही मौत हो गया।इधर घटनास्थल पर अफरा तफरी मच गया।बिजली विभाग को सूचित कर लाइन बंद कराकर विभागीय कर्मियों द्वारा शव को पेड़ से उतरा गया।इधर घटना की सूचना पर परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।समाचार लिखे जाने तक शव को पैतृक आवास लाने की तैयारी चल रहा था। मृतक अपने पीछे पत्नी एवं दो मासूम बच्ची छोड़ दुनिया को अलविदा कह गया।

मोटर से पानी खींचने वालों पर होगी एफआइआर,दो दिनों के छापेमारी में आठ पकड़े गये

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : रंका प्रखंड मुख्यालय में गहराते पेयजल संकट और ग्रामीणों द्वारा किए गए चक्का जाम के बाद विभाग रेस हो गया है। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा के कार्यपालक अभियंता अजय कुमार सिंह के निर्देश पर गुरुवार और शुक्रवार को पुलिस बल के साथ रंका में सघन छापेमारी अभियान चलाया गया।छापामारी के दौरान रंका पंचायत के दर्जी मोहल्ला निवासी भोला प्रसाद, अजित कुमार, संतोष कुमार, रविंद्र कुमार, आलोक कुमार तथा मेन रोड निवासी अजित चौरसिया, चन्दन कुमार व धर्मेंद्र चन्द्रवंशी को सरकारी पाइपलाइन में मोटर लगाकर पानी खींचते हुए पकड़ा गया। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि पाइपलाइन में मोटर लगाकर पानी खींचने से जलापूर्ति का दबाव कम हो जाता है, जिससे आम उपभोक्ताओं और दूर-दराज के घरों तक पानी नहीं पहुंच पाता।पकड़े गए सभी लोगों को कड़ी चेतावनी देकर फिलहाल छोड़ दिया गया है।विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में दोबारा मोटर का प्रयोग करते पकड़े जाने पर मोटर जब्त कर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।कार्यपालक अभियंता ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सरकारी पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में सहयोग करें और अवैध तरीके से पानी न खींचें, ताकि सभी को समान रूप से पेयजल मिल सके।

सुदेश महतो ने शुभेंदु को दी बधाई,शपथ समारोह में होंगे शामिल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता ने ऐतिहासिक बदलाव के लिए जनादेश दिया है। अब नया बंगाल बनेगा। श्री महतो ने कहा कि बंगाल में परिवर्तन का असर झारखंड के राजनीतिक परिदृश्य पर भी पड़ेगा।सुदेश महतो शनिवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी शिरकत करेंगे। इसके लिए श्री महतो को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से न्योता भेजा गया है। बंगाल के लोकभवन से भी उन्हें आमंत्रण मिला है। श्री महतो देर शाम कोलकाता रवाना हो गए हैं।

गढ़वा में यूपी का मौलाना गिरफ्तार: झाड़-फूंक के बहाने अनपरा की विवाहिता को भगाकर लाया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : झारखंड और उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे गढ़वा जिले के धुरकी थाना क्षेत्र में अंधविश्वास की आड़ में एक महिला के अपहरण का मामला प्रकाश में आया है।यूपी के सोनभद्र जिले से एक अधेड़ मौलाना, दो माह के बच्चे के साथ एक विवाहिता को बहला-फुसलाकर झारखंड ले आया। शुक्रवार को बीरबल गांव में ग्रामीणों की तत्परता से दोनों को पकड़ा गया, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है।घटना के संबंध में बताया जाता है कि बीरबल गांव निवासी कलाम अंसारी के घर में शुक्रवार अहले सुबह एक संदिग्ध मौलाना और दूसरे समुदाय की महिला को देखा गया।ग्रामीणों को शक हुआ तो उन्होंने पूछताछ शुरू की।सूचना पर पहुंचे सगमा प्रखंड प्रमुख अजय साह के सामने मौलाना ने अपना नाम अकबर अंसारी (ओबरा, सोनभद्र, यूपी) बताया। वहीं, महिला की पहचान अनपरा (सोनभद्र, यूपी) निवासी प्रीति दीक्षित के रूप में हुई।महिला ने बताया कि मौलाना उसे झाड़-फूंक और तंत्र-मंत्र के नाम पर अपने साथ यहां लाया है। महिला की गोद में महज दो महीने का मासूम बच्चा भी था।पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी मौलाना का महिला के घर आना-जाना था और उसने अंधविश्वास का सहारा लेकर महिला को घर छोड़ने पर मजबूर किया।चूंकि पीड़िता और आरोपी दोनों उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं, इसलिए धुरकी पुलिस अब सोनभद्र की अनपरा और ओबरा पुलिस से भी संपर्क साध रही है।महिला के पति मुकेश दीक्षित ने बताया कि उसकी पत्नी दो दिन पहले लापता हुई थी, जिसकी तलाश वे यूपी में कर रहे थे।धुरकी थाना प्रभारी जनार्दन राऊत ने बताया कि यह मामला सीधे तौर पर अंधविश्वास और अपहरण से जुड़ा प्रतीत हो रहा है।यूपी पुलिस से महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट के बारे में जानकारी मांगी गई है। पीड़िता के बयान और परिजनों के आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोनार बंगला के लिए स्वर्णिम अध्याय का आरंभःसंजय सेठ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में पश्चिम बंगाल में भाजपा विधायक दल के नेता निर्वाचित होने पर श्री सुवेंदु अधिकारी को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पश्चिम बंगाल ह्लसोनार बंगलाह्व बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा, यह विश्वास हम सबको है।आपके नेतृत्व में राज्य में सुशासन, विकास और जनकल्याण को नई गति मिले, यही कामना है।

माता अमृतानंदमयी से मिले रक्षा राज्य मंत्री, कहा शांति, आध्यात्म, सेवा और सादगी का केंद्र है माता का आश्रम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शुक्रवार को केरल प्रवास के दौरान अमृतापूरी में माता अमृतानंदमयी के आश्रम का भ्रमण और अवलोकन किया। इस दौरान श्री सेठ ने माता अमृता से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि ह्ललोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तुह्व की संकल्पना को धरातल पर उतारने वाली आध्यात्मिक और सेवा की साक्षात प्रतिमूर्ति पूज्य माता अमृतानंदमयी का पुण्यदर्शन, स्नेहिल स्पर्श और आशीर्वाद प्राप्त करना, मेरे जीवन का अलौकिक और अद्भुत ऊर्जा देने वाला क्षण है। माता का आश्रम शांति, आध्यात्म, सेवा और सादगी का एक दिव्य केंद्र है। यहां माता की प्रेरणा से 100 से अधिक देशों के श्रद्धालु मानवता, सद्भाव और विश्वकल्याण की भावना से सेवा कार्य करते हैं। माता अमृतानन्दमयी का यह आश्रम हर देशवासी के लिए प्रेरणा का केंद्र है।

आजसू मजदूर यूनियन ने उपायुक्त को सौंपा पांच सूत्री मांग पत्र

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : आजसू मजदूर यूनियन न्यू बस स्टैंड रामगढ़ के अध्यक्ष नीरज मंडल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज को बुके देकर स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को पांच सूत्री मांग पत्र भी सौंपा।मांग पत्र में बिजूलिया तालाब में वाटर फिल्टर ट्रीटमेंट प्लांट एवं बाउंड्री वॉल का नवनिर्माण कराने, बिजूलिया तालाब रोड का पेवर्स ब्लॉक पथ के रूप में निर्माण कराने, भगवान बिरसा मुंडा न्यू बस स्टैंड में पेवर्स ब्लॉक पथ निर्माण, शंभू शिवालय के बगल सेठ मोहल्ला में पेवर्स ब्लॉक पथ निर्माण तथा छोटकी मुर्राम वार्ड नंबर-पांच में गांवा दीती से शारदा भवन तक पेवर्स ब्लॉक पथ एवं नाली निर्माण की मांग शामिल थी।मौके पर नीरज मंडल ने जिला प्रशासन एवं छावनी परिषद की पहल पर भगवान बिरसा मुंडा न्यू बस स्टैंड का नवनिर्माण कराने के लिए बधाई दी।साथ ही इसका उद्घाटन कर जनता को सुपुर्द करने की मांग की।उपायुक्त ऋतुराज ने गंभीरतापूर्वक समस्याओं को सुना और प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं के समाधान का यथासंभव जल्द प्रयास किया जाएगा। मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष रंजीत जायसवाल, सचिव अमजद हुसैन उर्फ रिंकु खान, उपाध्यक्ष बलराम यादव एवं अनवर हुसैन मुख्य रूप से मौजूद थे।

घर में घुसकर दंपती की बेरहमी से पिटाई, पांच लोगों प्राथमिकी, महिला की हालत गंभीर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : गढ़वा जिले के केतार थाना क्षेत्र के खोन्हर गांव में मामूली विवाद को लेकर एक दंपती के साथ मारपीट का मामला सामने आया है।घर में घुसकर लाठी-डंडों से किए गए इस हमले में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है।पुलिस ने मामले में पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, खोन्हर गांव निवासी अयोध्या साह अपने घर के सामने सड़क पर जमी मिट्टी हटा रहे थे, क्योंकि उस मिट्टी की वजह से बरसात का पानी उनके घर में घुस रहा था। इसी बात को लेकर दूसरे पक्ष के लोग आक्रोशित हो गए और विवाद बढ़ गया।आरोप है कि मिट्टी हटाने के विवाद में गांव के ही धर्मजीत साह, बंशीधर साह, संतोष कुमार गुप्ता, पप्पू कुमार गुप्ता और राहुल कुमार गुप्ता ने जबरन अयोध्या साह के घर में प्रवेश किया। इन लोगों ने अयोध्या साह और उनकी पत्नी मनरौती देवी के साथ लाठी-डंडे से मारपीट शुरू कर दी। इस हमले में मनरौती देवी के कमर में गंभीर चोट आई है।घटना के बाद घायल महिला को तत्काल इलाज के लिए ले जाया गया।वर्तमान में उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए गढ़वा सदर अस्पताल में उपचार चल रहा है।पीड़ित अयोध्या साह द्वारा केतार थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है।मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने पांचों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।पुलिस ने बताया कि मामले का अनुसंधान प्रारंभ कर दिया गया है और दोषियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

पानी-बिजली समस्या को लेकर भाजपा का आक्रोश प्रदर्शन,घड़ा लेकर जताया विरोध, राज्य सरकार के विरुद्ध में की नारेबाजी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : जिले में व्याप्त पानी और बिजली की समस्या के समाधान को लेकर झामुमो सरकार के विरुद्ध भाजपा ने शुक्रवार को गांधी चौक से उपायुक्त कार्यालय तक घड़ा लेकर आक्रोश प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हेमंत सोरेन हाय-हाय, पानी दो, बिजली दो, नहीं तो गद्दी छोड़ दो, जो सरकार निकम्मी है, वो सरकार बदलनी है जैसे नारे लगा रहे थे। प्रदर्शन के क्रम में सभी ने घड़ों को उपायुक्त कार्यालय के सामने फोड़ा।कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष अनूप जोशी ने किया. मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड सरकार जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल साबित हुई है।भीषण गर्मी में लोग पानी और बिजली की समस्या से परेशान हैं, लेकिन सरकार जनता की समस्याओं के प्रति असंवेदनहीन बनी हुई है।उन्होंने कहा कि भाजपा जनता की आवाज को सड़क से सदन तक उठाने का काम करेगी।अनूप जोशी ने कहा कि जिले में लगातार बिजली कटौती और पेयजल संकट से आमजन त्रस्त हैं।पानी का मोटर जलने से पंद्रह दिनों से पानी नहीं मिल रहा है,और नगर परिषद और पीएचडी का कहना है मोटर बनेगी तो पानी मिलेगा, तब तक जनता त्राहिमाम करे।भ्रष्टाचार के लिए पैसा है पर नया मोटर खरीदने का पैसा सरकार के पास नहीं है। मौके पर जिला उपाध्यक्ष संगीता सिन्हा, राजकुमार यादव, सुभाष मोदी, गोपाल कुमार गुतुल, जिला महामंत्री विजय यादव, नरेंद्र पाल, जिला मंत्री सुनीति सेठ, रामप्रसाद साव, मनोज चौधरी, सबिता देवी, मण्डल अध्यक्ष संजय पासवान, प्रिया देवी, इंद्रदेव वर्णवाल, नवीन चौधरी, नन्द किशोर सोनी, मनोज साव, रणजीत सिंह, सुनील भारती, सुनील यादव, चंदन पासवान, सुजीत मेहता, संजय शर्मा, पारिजात सिंह, पप्पू भदानी, साकेत सिंह, अक्षय वर्णवाल, मनोज मेहता, लक्ष्मी वर्णवाल, कुसुम देवी, ललिता देवी, मनीता देवी, प्रीति देवी, सन्तु देवी, ललिता देवी, पूजा देवी, रीना देवी, बसंती देवी, बबीता देवी, मीना देवी ,नीतू देवी, सन्दीप गुप्ता, उत्तम कुमार, संजय सिंह, मुकेश यादव, विकास जैन, अंकित गुप्ता, धीरेन्द्र जायसवाल, अजय मोदी ,शंकर मोदी, सुदीप्तो घोष, सचिन कपसीमें, राहुल कपसीमें, शंकर यादव, सौरभ मोदी, रवि गुप्ता, प्रतीक बड़गवे, वेद कुमार आदि मौजूद थे।

ट्रेन में पिस्टल लहराकर जमा रहे थे धाक, आरपीएफ ने दबोचा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में ट्रेन के अंदर यात्रियों को देसी पिस्टल दिखाकर डराने और धमकाने के आरोप में 2 युवकों को गिरफ्तार किया गया है। रेलवे सुरक्षा बल यानी कि आरपीएफ के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दोनों आरोपियों को हावड़ा-हटिया क्रिया योग एक्सप्रेस के जनरल कोच से पकड़ा गया। जांच में पता चला है कि दोनों युवक अवैध हथियार सप्लाई के नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। टाटानगर के आमबागान इलाके में अवैध हथियारों की खेप लेने गए थे, जिसे उन्हें रांची में पहुंचाना था। हालांकि देर होने की वजह से उन्हें हथियारों की खेप नहीं मिल सकी और इसके बाद दोनों ट्रेन के जनरल डिब्बे में सवार हो गए। इसी दौरान ट्रेन में सफर कर रही एक महिला यात्री ने पास के डिब्बे में मौजूद आरपीएफ के जवानों को सूचना दी कि 2 युवकों में से एक देसी पिस्टल लहराकर यात्रियों को धमका रहा है, जबकि दूसरा अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहा है। सूचना मिलते ही आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। ट्रेन के रांची स्टेशन पहुंचने के बाद दोनों को जीआरपी के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देसी पिस्टल और एक कारतूस बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 21 साल के आकिब खान और 20 साल के रेहान खान के रूप में हुई है। दोनों रांची के बरियातू थाना क्षेत्र स्थित सरताज कॉलोनी के रहने वाले हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अकीब खान के खिलाफ पहले से 4 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रींटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

2017 होमगार्ड बहाली के चयनित अभ्यर्थियों का फूटा गुस्सा, नियुक्ति की मांग को लेकर रणधीर वर्मा चौक पर धरना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : वर्ष 2017 की होमगार्ड बहाली प्रक्रिया में चयनित अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर शुक्रवार को धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर धरना-प्रदर्शन किया और सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बहाली प्रक्रिया पूरी होने और चयन सूची जारी होने के बावजूद आज तक नियुक्ति नहीं दी गई। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द नियुक्ति नहीं हुई तो वे अनशन और आत्मदाह जैसे कदम उठाने को मजबूर होंगे।धरना दे रहे अभ्यर्थियों ने कहा कि वर्ष 2017 में होमगार्ड बहाली प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी और चयनित उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर दी गई थी, लेकिन बाद में यह कहकर बहाली रोक दी गई कि प्रक्रिया के दौरान की गई वीडियोग्राफी की सीडी नजारत कार्यालय से गायब हो गई

है।अभ्यर्थियों का कहना है कि अगर सीडी विभागीय लापरवाही से गायब हुई है तो इसकी सजा चयनित उम्मीदवारों को क्यों दी जा रही है। उनका आरोप है कि पिछले कई वर्षों से उनका भविष्य अधर में लटका हुआ है।

होमगार्ड की बहाली के लिए 2017 में आवेदन देने वाले अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को रणधीर वर्मा चौक पर धरना प्रदर्शन का आयोजन किया। धरना दे रहे अभ्यर्थियों ने कहा कि आवेदन के बाद बहाली की प्रक्रिया भी पूरी हो गई थी। मेरिट लिस्ट तैयार कर लिया गया था। मेरिट लिस्ट का प्रकाशन भी हो गया था। अभ्यर्थियों की मेडिकल जांच भी हो गई थी। अन्य दूसरी प्रक्रिया भी पूरी हो गई थी। बहाली में अनियमितता का आरोप लगा कर ज्वाइनिंग रोक दी गई। बाद में मेरिटलिस्ट की सीडी गुम हो जाने की बात कह बहाली रद्द कर दी गई। सीडी को नजारत में सुरक्षित रखा गया था। गुम होने का खामियाजा अभ्यर्थी क्यों भुगते। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थी रेशमा ने बताया कि बहाली प्रक्रिया रोकने के पीछे वीडियोग्राफी की सीडी नजारत कार्यालय से गायब होना कारण बताया गया। उन्होंने कहा, जब 2017 की बहाली प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, तो केवल सीडी गायब होने के कारण अभ्यर्थियों की नियुक्ति रोकना गलत है। अभ्यर्थियों ने सवाल उठाया कि जब पुरानी बहाली प्रक्रिया लंबित है, तो फिर वर्ष 2023 में नई बहाली प्रक्रिया क्यों शुरू की गई? पहले 2017 में चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति पूरी की जाए उसके बाद नई बहाली शुरू हो। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सीबीआई से करवाने की मांग भी की गई। अभ्यर्थी बसंती देवी ने कहा कि वीडियोग्राफी की सीडी नजारत में रखी गई थी, जो प्रशासन की निगरानी में होती है। ऐसे में सीडी गायब होने की गलती अभ्यर्थियों की नहीं है, लेकिन इसकी सजा उन्हें भुगतनी पड़ रही है। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो वे आत्मदाह करने को मजबूर होंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी।

संक्षिप्त खबरें

स्मार्ट मीटर लगाने के लिए बिजली विभाग ने की उपभोक्ताओं के साथ बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : तिलाटांड़ विद्युत सब स्टेशन में शुक्रवार को उपभोक्ताओं के साथ एसडीओ आरके महतो व जीनस स्मार्ट मीटर के परियोजना मैनेजर कुमार अभिषेक में बैठक की। बैठक में इलाके में स्मार्ट मीटर लगाने पर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान उपस्थित उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर लगाने से इसके फायदे बताया गया। एसीडीओ आरके महतो ने इस दौरान कहा कि भारत सरकार के विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि प्रीपेड स्मार्ट मीटरिंग, संशोधित वितरण क्षेत्र स्कीम (आरडीएसएस) के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक पहल है, जिसका उद्देश्य विद्युत वितरण क्षेत्र की प्रचालनात्मक दक्षता और वित्तीय स्थिरता को मजबूत करना है। यह व्यवस्था उपभोक्ताओं को मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से उनके बिजली उपभोग और शेष बैलेंस की रीयल-टाइम जानकारी उपलब्ध कराती है। साथ ही उन्हें छोटी-छोटी राशि में रिचार्ज करने की सुविधा भी देती है। डिस्कॉम के दृष्टिकोण से यह प्रणाली विलंबित भुगतान की समस्या को समाप्त कर अग्रिम राजस्व संग्रह सुनिश्चित करती है तथा समग्र तकनीकी एवं वाणिज्यिक (एटीएंडसी) हानियों को कम करने में सहायक सिद्ध होती है। इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु भारत सरकार द्वारा समयस मय पर परामर्शिकाएं और मानक संचालन प्रक्रियाएं जारी की गई हैं। साथ ही, प्रत्येक प्रीपेड स्मार्ट मीटर की स्थापना पर 900 (विशेष श्रेणी के राज्यों के लिए 1,350) की वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। इसके अतिरिक्त योजना के अंतर्गत स्वीकृत हानि-न्यूनीकरण कार्यों के लिए निधियों का निर्गमन भी प्रीपेड मीटर स्थापना से जोड़ा गया है। प्रीपेड स्मार्ट मीटर अपनाने वाले उपभोक्ताओं को विद्युत बिल में छूट प्रदान करने की संभावना भी है। साथ ही, एक प्रभावी जनजा गरूकता एवं संपर्क अभियान चलाकर, जिसमें जनप्रतिनिधियों, स्थानीय प्रशासन और प्रशिक्षित फील्ड स्टाफ द्वारा मौके पर ही शिकायतों का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा, उपभोक्ताओं में विश्वास बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने अनुरोध किया है कि आरडीएसएस के अंतर्गत प्रीपेड स्मार्ट मीटरों के क्रियान्वयन को प्राथमिकता देते हुए, उपभोक्ताओं में इसके प्रति विश्वास को सुदृढ़ करने हेतु व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने को कहा है।

डीडीसी ने कलियासोल प्रखंड की विकास योजनाओं का निरीक्षण किया

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सन्नी राज शुक्रवार को अधिकारियों के साथ कलियासोल प्रखंड पहुंचे। डीएमएफटी और 15वें वित्त आयोग से संचालित विकास कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की गई। भ्रमण के क्रम में कलियासोल में प्रस्तावित स्टेडियम निर्माण के चयनित स्थल का निरीक्षण जिला खेल पदाधिकारी के साथ किया। स्टेडियम की डीपीआर पर चर्चा की। सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कनीय अभियंता को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। वहीं हाई स्कूल में कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। तालाब जीर्णोद्धार कार्यों का भी निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। पिंड्राहाट पंचायत भवन का निरीक्षण भी किया गया। पंचायत भवन में संचालित होने वाले ज्ञान केंद्र हेतु एक समिति के गठन का निर्देश दिया गया। पिंड्राहाट मुखिया के साथ पंचायत में 15वें वित्त आयोग से संचालित विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए संबंधित एजेंसी को कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी शजय प्रकाश नारायण, जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा, डीएमएफटी टीम, स्थानीय जनप्रतिनिधि समेत अन्य मौजूद थे।

भूली बी ब्लॉक हनुमान मंदिर में तोड़फोड़

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : भूली बी ब्लॉक मंदिर में हनुमानजी की प्रतिमा तोड़ - फोड़ हुई। प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। तोड़ - फोड़ का आरोप युवक लगा है। युवक मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा है। युवक को भूली ओपी पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना शुक्रवार सुबह की है। सुबह में मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने हनुमान जी की प्रतिमा को खंडित अवस्था में देखा। घटना से नाराज लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। लोगों ने मंदिर परिसर में मौजूद एक युवक को पकड़ लिया, जिसने प्रतिमा तोड़ने की बात स्वीकार की। गुस्साए लोगों ने युवक को मंदिर के पास खंभे से बांध दिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस युवक को अपने साथ थाना ले गई। युवक की पहचान भूली पंचवटी निवासी रविंद्र कुमार के रूप में हुई है, जिसे परिजन मानसिक रूप से बीमार बता रहे हैं। मंदिर के पुरोहित ने आरोप लगाया कि रविंद्र कुमार पहले भी कई बार मंदिर में घुसकर प्रतिमा तोड़ने की कोशिश कर चुका है। उन्होंने बताया कि युवक महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाओं में भी शामिल रहा है। मंदिर समिति और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि युवक को जल्द किसी मानसिक अस्पताल में भर्ती कराया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। साथ ही मंदिर में नई हनुमान प्रतिमा स्थापित कराने की भी मांग उठाई गई है। वहीं युवक के परिजनों का कहना है कि रविंद्र कुमार पिछले करीब 15 वर्षों से मानसिक बीमारी से पीड़ित है। उसका इलाज रांची स्थित मानसिक आरोग्यशाला में भी कराया गया, लेकिन उसकी स्थिति में खास सुधार नहीं हुआ। परिजनों ने बताया कि उसे घर में संभालना काफी मुश्किल हो गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

कोयला के अवैध उत्खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 18 टन कोयला जब्त

बाघमारा। बीसीसीएल बरोरा क्षेत्र में अवैध कोयला कारोबारियों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। शुक्रवार को बरोरा प्रबंधन, सीआइएसएफ और बरोरा पुलिस ने संयुक्त छापेमारी अभियान चलाकर बड़ी सफलता हासिल की। यह कार्रवाई चिटाहीधाम स्थित 4 ए पैच में की गई। टीम ने मौके से 18 टन अवैध कोयला जब्त किया है।

वासेपुर में गैंगस्टर प्रिंस खान के घर कुर्की-जब्ती, बैंक मोड़ थाना और भूली ओपी पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : फरार प्रिंस खान के वासेपुर स्थित घर पर शुक्रवार को बैंक मोड़ थाना और भूली ओपी पुलिस ने संयुक्त रूप से कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। यह कार्रवाई धनबाद न्यायालय द्वारा जारी समन के आलोक में की गई। भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया गया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रिंस खान लंबे समय से फरार चल रहा है और उसके खिलाफ हत्या, रंगदारी, धमकी, फायरिंग सहित कई गंभीर मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। न्यायालय में लगातार उपस्थित नहीं होने के कारण कोर्ट द्वारा कुर्की-जब्ती का आदेश जारी किया गया, जिसके बाद पुलिस टीम उसके घर पर पहुंची।इससे पहले भी पुलिस कई बार प्रिंस खान के ठिकानों पर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई कर चुकी है, लेकिन अब तक वह पुलिस गिरफ्त से बाहर है। पुलिस का दावा है कि वर्तमान में प्रिंस खान पाकिस्तान में छिपकर रह रहा है और वहीं से अपने नेटवर्क का संचालन कर रहा है।

रोजगार मेला में 25 को मिला रोजगार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद :अवर प्रादेशिक नियोजनालय मे भर्ती-कैंप का आयोजन किया गया इसमें तीन कंपनियों ने भाग लिया। 25 लोगों को रोजगार के लिए ऑफर लेटर दिया गया। 75 लोगों में भाग लिया। पदमा कुमारी नियोजन पदाधिकारी ने स्वागत भाषण दिया। नियोजनालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में विस्तार से अवगत कराया नियोजन पदाधिकारी ने भर्ती कैंप में विभिन्न नियोक्ताओं द्वारा लगाये गये स्टॉल का भ्रमण कर रिक्तियों, सेवा शर्तो के बारे में जानकारी प्राप्तली। आवेदकों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया भर्ती कैंप में कंचन माला किस्कू, जय प्रकाश गुप्ता, सूरज कुमार, प्रशान्त गोयल, विवेक कुमार साव एवं कार्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित थे

विश्व रेडक्रास दिवस पर रक्तदान शिविर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर शुक्रवार को भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद ने दो ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया। प्रथम कैंप व्यवहार न्यायालय स्थित मध्यस्थता केंद्र में आयोजित किया गया। इसमें 17 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद में विश्व रेडक्रास दिवस के अवसर पर पदेन उपाध्यक्ष सह अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे ने केक काट कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। जहां भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यों ने रक्तदान किया। एक अन्य कार्यक्रम में भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद की कार्यकारिणी की बैठक अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे की अध्यक्षता में उनके कार्यालय में आयोजित की गई। मौके पर कौशलेंद्र कुमार सिंह, धनेश्वर महतो, रवींद्रनाथ ठाकुर, कुमार मधुरेन्द्र सिंह, देवेंद्र कुमार, दिलीप सिंह, बेनजीर परवीन, श्वेतांबरा पाठक, आशीष अग्रवाल,जिम्मी अभिषेक, रणजीत सिंह, सौरभ सिंह, ललिता चौहान, लीला माजी, ब्रिजेन्द्र सिंह, रवि श्रीवास्तव सहित भारतीय रेडक्रास सोसायटी धनबाद के अन्य सदस्य एवं यूको बैंक कोर्ट मोड़ शाखा के डॉ उपेंद्र कुमार व मधु कुमारी उपस्थित थे।

डीडीसी ने की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद :डीडीसी सन्नी राज की अध्यक्षता में शुक्रवार को आजीविका प्रक्षेत्र से संबंधित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इसमें जिले में संचालित कृषि, मत्स्य, पशुपालन, उद्यान, रूर्बन मिशन एवं एफपीओ से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। डीडीसी ने निरसा, बलियापुर एवं गोविंदपुर में हाट बाजार के विकास को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने हाटों में वाहनों के आवागमन में बाधा, स्थान की कमी, आधारभूत सुविधाओं का अभाव, लिफ्ट इरीगेशन एवं कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता पर जानकारी ली। सभी संबंधित विभागों को सोमवार तक विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर सभी वेंडरों से समन्वय

स्थापित करने का निर्देश दिया। मत्स्य पालन को बढ़ावा देने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इसके तहत मत्स्य बीज उत्पादन, उपयुक्त स्थानों का चयन, लीज प्रक्रिया एवं संचालन की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को बताया गया कि इन कार्यों को अर्बन रूर्बन मिशन के तहत आगे बढ़ाया जाएगा। एफपीओ (फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन) की स्थिति, लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन, लंबित फंड एवं उनकी कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया। बैठक में मस्टर्ड कल्टीवेशन, आचार एवं मसाला प्रसंस्करण तथा मत्स्य पालन आधारित आजीविका गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला गव्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, डीडीएम नाबार्ड, जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख किसान विज्ञान केंद्र, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक जेएसएलपीएस, तकनीकी विशेषज्ञ जलछाजन प्रकोष्ठ, जिला समन्वयक रूर्बन मिशन, प्रभारी पदाधिकारी (आर एंड आर) जेआरडीए, आजीविका टीम पीएमयू डीएमएफटी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद से एक्जीक्यूटिव एमबीए कोर्स करने के लिए आवेदन की प्रक्रिया जारी, 50 से अधिक आवेदन प्राप्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में एक्जीक्यूटिव एमबीए (सत्र 2026-28) के लिए अब तक 50 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस पाठ्यक्रम में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के पेशेवरों से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। उक्त जानकारी प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियंत्रण विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता म संस्थान के अधिकारियों ने दी। प्रेस वार्ता में प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक अभियंत्रण विभाग के अध्यक्ष प्रो. संदीप मंडल, एक्जीक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. नीलाद्रि दास, सहस मन्वयक प्रो. रश्मि सिंह तथा प्रो. शशांक बंसल मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि संस्थान की वेबसाइट पर 15 मार्च 2026 से ऑनलाइन आवेदन पोर्टल शुरू किया गया है। यह कार्यक्रम विशेष रूप से कार्यरत पेशेवरों, अधिकारियों और उद्यमियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया

है, ताकि वे नौकरी जारी रखते हुए प्रबंधन शिक्षा प्राप्त कर सकें। प्रो. संदीप मंडल ने कहा कि एक्जीक्यूटिव एमबीए कार्यक्रम की शुरूआत वर्ष 2012 में हुई थी और अब इसे दो वर्षीय कार्यक्रम (चार सेमेस्टर) के रूप में संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य पेशेवरों को आधुनिक प्रबंधन ज्ञान, नेतृत्व क्षमता और रणनीतिक निर्णय लेने की समझ विकसित करने का अवसर प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की कक्षाएं मुख्य रूप से ऑनलाइन मोड में संचालित होंगी। बुधवार से शनिवार तक शाम 7 बजे से 9:50 बजे तक तथा रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 5:50 बजे तक कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। वहीं, मिडसेमेस्टर और एंड-सेमेस्टर परीक्षाएं ऑफलाइन मोड में आईआईटी (आईएसएम) धनबाद और संस्थान के कोलकाता एवं दिल्ली केंद्रों में आयोजित होंगी। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम में पहले भी कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियां, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, सेल, टीसीएस, टाटा स्टील, टाटा पावर, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, भारतीय रेल, इन्फोसिस, पीडब्ल्यूसी, ओएनजीसी और आईओसीएल जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के अधिकारी हिस्सा ले चुके हैं। प्रो. नीलाद्रि दास ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों को आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में आयोजित लिखित परीक्षा देनी होगी, जिसमें अभ्यर्थियों की प्रबंधकीय क्षमता और सामान्य जागरूकता का मूल्यांकन किया जाएगा। लिखित परीक्षा में सफल उम्मीदवारों को ऑनलाइन साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा और अंतिम चयन लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार के संयुक्त अंकों के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के लिए कुल शुल्क दो वर्षों हेतु 6 लाख रुपये निर्धारित किया गया है, जिसे सेमेस्टर के आधार पर जमा करना होगा। कार्यक्रम में 100 सीटें उपलब्ध हैं तथा प्रवेश में भारत सरकार के आरक्षण नियमों का पालन किया जाएगा। प्रो. रश्मि सिंह ने बताया कि पात्रता के तहत अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से स्नातक डिग्री (10+2+3) में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है, जबकि एससी, एसटी और दिव्यांग वर्ग के लिए 45 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। साथ ही अभ्यर्थियों के पास कम से कम एक वर्ष का कार्य अनुभव होना चाहिए।

उद्यमियों के लिए पंजीकृत फर्म और न्यूनतम 200 लाख रुपये वार्षिक टर्नओवर की शर्त रखी गई है। प्रो. शशांक बंसल ने इच्छुक अभ्यर्थियों से संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की। आवेदन शुल्क 2000 रुपये निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई है। लिखित परीक्षा 14 जून 2026 को आयोजित होगी, जबकि ऑनलाइन साक्षात्कार 16 और 17 जून को होंगे। परिणाम 3 जुलाई 2026 को जारी किया जाएगा तथा चयनित अभ्यर्थियों का नामांकन 6 से 13 जुलाई के बीच होगा। कक्षाएं 25 जुलाई से शुरू होंगी।

हिंदी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ
झारखण्ड
धनबाद, शनिवार 09 मई 2026
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

रामगढ में मटका लेकर सड़क पर उतरीं महिलाएं, भाजपाइयों द्वारा हेमंत हटाओ, झारखंड बचाओ के नारों से गुंजायमान हुआ समाहरणालय परिसर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ इकाई ने शुक्रवार को समाहरणालय परिसर में मटका लेकर आक्रोश प्रदर्शन किया। इस आक्रोश प्रदर्शन में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा के साथ बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने भी शिरकत किया। इस मौके पर सैकड़ो की संख्या में भाजपा कार्यकताओं के साथ बिजली पानी की किल्लत से जूझ रहे लोगों ने हिस्सा लिया जिसमें महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस क्रम में रामगढ़ जिला भाजपा पार्टी के अध्यक्ष संजीव बावला के नेतृत्व में पीने के पानी की किल्लत और लगातार हो रही बिजली कटौती के खिलाफ जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया गया। सैकड़ों भाजपा कार्यकताओं और बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर मटका लेकर नेशनल हाईवे-23 स्थित कोर्ट मोड़ से जिला समाहरणालय तक मार्च निकाला और वहीं पर मटका फोड़ कर आक्रोश व्यक्त किया गया। आक्रोश प्रदर्शन के दौरान “हेमंत हटाओ, झारखंड बचाओ” और “पानी-बिजली दो” जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इस कार्यक्रम के प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने भीषण गर्मी के बीच राज्य में उत्पन्न पेयजल संकट और बिजली व्यवस्था को लेकर हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा हर घर नल से जल योजना के लिए भेजी गई राशि का सही उपयोग नहीं किया गया और राज्य सरकार केवल केंद्र को बदनाम करने में लगी है।मौके पर बड़कागांव

विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता मटका फोड़कर सोई हुई राज्य सरकार को जगाने का काम कर रहे हैं साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार अब भी नहीं जागी तो जनहित में आंदोलन और तेज किया जाएगा।प्रदर्शन के बाद भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन उपायुक्त को सौंपकर राज्य सरकार पर मोदी सरकार की नल-जल योजना को लटकाने और भटकाने का आरोप लगाया। ज्ञापन में कहा गया कि झारखंड में योजना कागजों पर लगभग 45 प्रतिशत पूरी दिखाई जा रही है, जबकि कई जिलों में स्थिति अत्यंत खराब है। भाजपा ने यह भी मांग की कि बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए साथ ही बढ़े हुए बिजली दर को वापस लिया जाए, जले ट्रांसफार्मरों को शीघ्र बदला जाए, फर्जी बिजली बिलों की जांच हो, बंद पड़े चापाकलों की युद्धस्तर पर मरम्मत कराई जाए, नल-जल योजना को शीघ्र पूरा किया जाए, पाइपलाइन वाले क्षेत्रों में नियमित जलापूर्ति हो और अस्पतालों और छात्रावासों में निर्बाध बिजली-पानी उपलब्ध कराई जाए।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में दर्दनाक सड़क हादसा, तेज रफ्तार ट्रक ने मचाई तबाही, चार की मौत, सात जिंदगी की जंग लड़ रहे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : झारखंड के गिरिडीह जिले से शुक्रवार की रात दिल दहला देने वाली खबर सामने आई, जहां तेज रफ्तार से आ रहे एक भारी ट्रक ने सड़क किनारे खड़े कई वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा तफरी मच गई और बाजार में मौजूद लोग दहशत में इधर उधर भागने लगे।

यह हादसा जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुराने राजमार्ग पर मुख्य बाजार के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सड़क किनारे कई वाहन खड़े थे और लोग सामान्य गतिविधियों में व्यस्त थे। तभी अचानक तेज गति से आया ट्रक नियंत्रण खो बैठा और एक के बाद एक कई वाहनों को रौंदता चला गया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आसपास खड़े लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। चार लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने में मदद की। घायलों में दो लोगों को गंभीर हालत में निजी चिकित्सालय भेजा गया है, जबकि पांच अन्य का जिला चिकित्सालय में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान करने का प्रयास जारी है। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और गुस्से का माहौल है।

पश्चिम बंगाल हिंसा पर भानु प्रताप शाही ने कहा अपराधियों के चंगुल में था पश्चिम बंगाल,सरगना थी ममता बनर्जी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद हिंसक घटना की खबर सामने आ रही है। इस बात पर हजारीबाग में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि जो भी घटना को अंजाम दे रहे हैं सभी को सजा मिलेगी। कई सालों तक पश्चिम बंगाल अपराधियों के चंगुल में था और उसकी सरगना ममता बनर्जी थी। अब वह महल टूट चुका है। उनके अपराधी बिल से निकल कर अपराधी घटना को अंजाम दे रहे हैं।ऐसा लगता है यह उनका धर्म है।सरकार बनने के बाद ऐसे अपराधियों को सजा मिलेगी।पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों से कई लोगों की हत्या की बात सामने आई है।उत्तरी 24 परगना जिले के मध्यमग्राम में बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी के करीबी निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई है।

भाजपा का मटका फोड़ आंदोलन, सरकार पर लगाया गया गंभीर आरोप, जेएमएम के आंदोलन को कहा ड्रामा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी द्वारा राज्य में व्याप्त भीषण बिजली और पानी के संकट के खिलाफ मटका फोड़ आंदोलन चलाया जा रहा है।इस कड़ी में हजारीबाग में भाजपा ने मटका फोड़ कर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद किया है। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही हजारीबाग पहुंचे।सांसद मनीष जायसवाल हजारीबाग, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, बरही विधायक मनोज यादव समेत बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता शामिल हुए। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही ने राज्य सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि झारखंड के ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में पानी को लेकर त्राहिमाम की स्थिति है।बहन बेटियां मटके लेकर पानी के लिए घंटों कतार में खड़ी रहने को मजबूर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए दिए गए 12,700 करोड़ रुपये का सही उपयोग नहीं किया गया। पूर्व पेयजल मंत्री मिथिलेश ठाकुर और हेमंत सोरेन ने इस राशि को 50-50 की अनुपातमें बांट लिया। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग में बिजली की व्यवस्था बेहद खराब हो गई है।पेयजल को लेकर भी हाहाकार मचा हुआ है।सरकार इस गंभीर समस्या पर पूरी तरह मौन बनी हुई है।

ओंठ एवं तालू कटे बच्चों के लिए एक दिवसीय मेगा कैंप का आयोजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पाकुड़ : शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को ओंठ कटे एवं तालू कटे बच्चों के इलाज को लेकर एक दिवसीय मेगा कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का उद्घाटन जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. एस. के. झा एवं देवनिका अस्पताल, रांची के प्रतिनिधि ने संयुक्त रूप से किया।मौके पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग की गई। जांच के उपरांत सर्जरी योग्य चिन्हित बच्चों का निःशुल्क ऑपरेशन देवनिका अस्पताल, रांची में कराने का निर्णय लिया गया।बताया गया कि अस्पताल द्वारा आने-जाने, इलाज एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी।मेगा जांच शिविर में डॉ. शेखावत हुसैन एवं डॉ सुपर्णा साहा ने सक्रिय भूमिका निभाया। शिविर में कुल 25 बच्चों की जांच की गई, जिनमें चिन्हित बच्चों का आगे सर्जिकल उपचार कराया जाएगा।

चमघाटी में धान लदा ट्रक पेड़ से टकराया, केबिन में फंसा चालक गंभीर रूप से घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची-मुरी सड़क पर चमघाटी में एक धान लदा ट्रक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराया। इस भीषण दुर्घटना में ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक उसी में फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और पुलिस ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों व जेसीबी मशीन की मदद से पुलिस ने केबिन को काटकर घायल चालक को केबिन से बाहर निकालने में सफलता पाई।अनगड़ा थाना प्रभारी गौतम रजवार ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक लोहरदगा के कुडू का है। घटना की सूचना ट्रक मालिक को दे दी गई है। वहीं, गंभीर रूप से घायल चालक को बेहतर इलाज के लिए रिम्स भेज दिया गया है।

नाबालिक के साथ दुष्कर्म के आरोपी को अदालत ने सुनाई 25 वर्ष कारावास की सजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रामाशंकर सिंह की अदालत ने पॉक्सो एक्ट मामले की सुनवाई करते हुए मामले के आरोपी राज हेंब्रम को पर्याप्त साक्ष्य से आधार पर दोषी करार देते हुए पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत 25 वर्ष का सश्रम कारावास और 20 हजार रुपया जुमार्ना की सजा सुनाई है।जुमार्ना नहीं देने पर दोषी को 4 माह का अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी।इसके अलावे पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के साथ ही भादवि की धारा 506 के तहत 2 वर्ष का सश्रम कारावास और 1 हजार रुपया जुमार्ना, जुमार्ना नहीं देने पर 15 दिन का अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई है।मामले पर अदालत ने अन्य तीन आरोपियों गणेश मार्डी,दामोदर मुर्मू उर्फ सूर्य एवं अली सोय को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है।मामला राजनगर थाना क्षेत्र का है।मामले को लेकर पीड़िता ने 8 नवंबर 2023 में राजनगर थाना में राज हेंब्रम,गणेश मार्डी,दामोदर मुर्मू एवं अली सोय के

खिलाफ लिखित मामला दर्ज कराया था।मामले में पीड़िता ने कहा था कि 6 नवंबर 2023 को वह स्कूल है थी।स्कूल की छुट्टी होने के बाद वह पूर्व परिचित टांगरानी गांव निवासी रोहित नामक युवक के साथ घूमने के लिए टांगरानी गांव के मैदान में चली गई।रात्रि के करीब 8 बजे पीड़िता को ठंड लगने लगा तो रोहित उसके लिए शॉल लाने चला गया।इसी बीच राज हेंब्रम उक्त तीनों अन्य आरोपियों के साथ पीड़िता के पास आया और खुद को रोहित का दोस्त बताते हुए कहा कि रोहित उसे नदी किनारे बुला रहा है।राज की बात मानकर पीड़िता उसके साथ नदी किनारे चली गई जहां सभी ने मिलकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।घटना को अंजाम देने के बाद सभी युवक चले गए।कुछ देर बाद रोहित पीड़िता को ढूंढते हुए नदी किनारे पहुंचा तो पीड़िता ने उसे पूरी घटना बताई.रोहित पीड़िता को अपने साथ अपने घर टंगरानी ले गया और दूसरे दिन उसे उसके स्कूल के पास छोड़ दिया।दूसरे दिन जब पीड़िता अपने घर पहुंची तो पूरी घटना अपने पिता को बताया,जिसके बाद राजनगर थाना में मामला दर्ज किया गया।

सुरक्षा को लेकर बैठक, बैंक व पेट्रोल पंप संचालकों को दिए गए आवश्यक निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला- खरसावां जिला अंतर्गत नीमडीह थाना परिसर में शुक्रवार को थाना प्रभारी संतन तिवारी ने क्षेत्र के बैंक शाखा प्रबंधकों, पेट्रोल पंप संचालकों एवं ज्वेलरी दुकान संचालकों के साथ सुरक्षा संबंधी बैठक की।बैठक में क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने एवं आपराधिक घटनाओं की रोकथाम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान थाना प्रभारी संतन तिवारी ने सभी बैंक शाखा प्रबंधकों एवं व्यवसायियों को सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया।बैंक परिसर में सीसीटीवी कैमरा, अलार्म सिस्टम एवं सुरक्षा गार्ड की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया।k वहीं पेट्रोल पंप एवं ज्वेलरी दुकानों में भी सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल पुलिस को सूचना देने का निर्देश दिया गया। थाना प्रभारी संतन तिवारी ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत थाना को जानकारी दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।बैठक में साइबर अपराध, नकली नोट, चोरी एवं लूट जैसी घटनाओं से बचाव को लेकर भी आवश्यक सुझाव दिए गए।बैठक में सभी संचालकों से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। मौके पर थाना क्षेत्र के कई बैंक शाखा प्रबंधक, पेट्रोल पंप संचालक एवं ज्वेलरी व्यवसायी उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जनता दरबार आयोजित, अधिकारियों को जल्द निष्पादन का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : शुक्रवार को उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया।इस दौरान उपायुक्त ने जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से अपनी समस्याओं को लेकर उनसे मिलने आए लोगों से मुलाकात की।लोगों ने भूमि, विद्युत, जल आपूर्ति, दखल दिहानी, रोजगार, विभिन्न विकास कार्यों, योजनाओं के लाभ सहित अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया।मामलों की जानकारी लेने के उपरांत उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के जल्द निष्पादन एवं आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

गढ़वा में अवैध नर्सिंग होम पर शिकंजा, कई अस्पतालों को बंद करने का निर्देश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : जिला मुख्यालय में अवैध रूप से संचालित नर्सिंग होम और स्वास्थ्य मानकों की अनदेखी करने वाले अस्पतालों के खिलाफ सिविल सर्जन डॉ. जॉन एफ केनेडी ने शुक्रवार को कड़ा रुख अपनाया। सीएस ने शहर के कई निजी अस्पतालों में छापामारी की, जहां गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर उन्हें तत्काल बंद करने का निर्देश दिया। इस दौरान जिला डाटा मैनेजर सुजीत मुंडा भी मौजूद थे।जांच के दौरान जीएन हॉस्पिटल में ऑपरेशन के बाद एक मरीज भर्ती मिला, जबकि सहारा हॉस्पिटल में एक मरीज को ब्लड चढ़ाया जा रहा था। वहीं, रिशु राज हॉस्पिटल में ऑपरेशन के बाद पांच मरीज भर्ती पाए गए। चौंकाने वाली बात यह रही कि मरीजों के भर्ती होने के बावजूद किसी भी अस्पताल में एक भी चिकित्सक मौजूद नहीं था। अस्पताल संचालकों ने बताया कि ऑपरेशन डॉ. मनोज दास और डॉ. कुश कुमार की देखरेख में हुए हैं।इस पर सीएस ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि डॉक्टर की अनुपस्थिति में मरीजों को भर्ती रखना उनकी जान के साथ खिलवाड़ है।डॉ. केनेडी ने कहा कि कुछ सरकारी डॉक्टर ड्यूटी के बाद निजी अस्पतालों में ऑपरेशन कर रहे हैं।

पंचायत प्रज्ञा केंद्र संचालकों ने अपनी मांगो के साथ किया धरना-प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : पुराना समाहरणालय परिसर में शुक्रवार को जिला दुमका के पंचायत प्रज्ञा केंद्र संचालकों ने धरना-प्रदर्शन कर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं के समाधान की मांग की।संचालकों ने बताया कि वे विभिन्न सरकारी योजनाओं और डिजिटल सेवाओं को आम जनता तक पहुंचाने का कार्य लगातार कर रहे है, लेकिन वर्तमान में कई समस्याओं के कारण उनका कार्य प्रभावित हो रहा है और आर्थिक कठिनाइयां भी बढ़ रही है।संचालकों ने कहा कि पंचायती राज समझौते के अनुसार उन्हें मासिक 7,550 रुपये मानदेय मिलना चाहिए, जबकि अभी केवल 2,475 रुपये का भुगतान किया जा रहा है। पंचायत प्रज्ञा केंद्र संचालकों ने अपनी विभिन्न मांगों में कहा कि न्यूनतम 7,550 रुपये किया जाए।सभी लंबित भुगतान भी जल्द जारी किए जाए।संचालकों ने जाति, निवास और आय प्रमाण पत्रों में पंचायत प्रज्ञा केंद्र संचालक का सत्यापन, मोहर और हस्ताक्षर अनिवार्य करने की मांग की। साथ ही

पंचायत स्तर पर नियमित कार्य उपलब्ध कराने और सभी कार्यों के लिए उचित पारिश्रमिक तय करने की बात कही।वृद्धा, विधवा और सर्वजन पेंशन का ऑनलाइन कार्य पंचायत स्तर पर संचालकों द्वारा कराए जाने, सेवा शुल्क दर को महंगाई के अनुसार संशोधित करने और मनरेगा जॉब कार्ड, एंट्री, मास्टर रोल आदि का काम पंचायत से ही कराने की मांग भी रखी गई।संचालकों ने कहा कि बिना कार्य के भी सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक केंद्र पर उपस्थित रहना पड़ता है, जिससे आर्थिक स्थिति और खराब हो रही है। उन्होंने उपायुक्त से मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया. मौके पर अध्यक्ष बिरेंद्र प्रसाद साह, सचिन हारून मियां, सह सचिव रूपेश कुमार, उपाध्यक्ष मुकेश कुमार पाल, कोषाध्यक्ष परितोष कुमार, सुनीराम सोरेन, उपेंद्र कुमार पाल, मोहन कुमार झा, विश्वजीत भंडारी, अजय कुमार दास, विपुल कुमार मोदी आदि मौजूद थे।

सीसीएल की स्कॉलरशिप योजना के तहत 30 सितंबर तक जमा होंगे आवेदन,कंपनी देगी 270 से 3100 रुपये तक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : सीसीएल के कर्मियों के बच्चों को कंपनी स्कॉलरशिप देगी। स्कॉलरशिप 270 से लेकर 3100 रुपये तक होगा। कंपनी ने इसके लिए आवेदन मांगना शुरू कर दिया है। कर्मियों को 30 सितंबर तक विभागीय प्रमुख के माध्यम से आवेदन करना है। इसमें बैंक खाता का नंबर भी देना है।आवेदन के साथ ग्रेजुएशन, इंजीनियरिंग, मेडिकल, क्लास आठ का मार्क्स सीट भी देना है। कंपनी वर्ग पांच से आठ तक की परीक्षा में 80 फीसदी से अधिक अंक लाने वालों को 270 रुपये प्रतिमाह दिया जायेगा।वर्ग नौ और 10 में 75 फीसदी या इससे अधिक अंक लाने वालों को 340 रुपये प्रति माह वर्ग 11 और 12वीं में 70 फीसदी से अधिक अंक लाने वालों को 450 रुपये प्रति माह दिया जायेगा। स्नातक या इसके समकक्ष स्तरीय सामान्य परीक्षा में 60 फीसदी या इससे अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को 1130 रुपये प्रतिमाह दिया जायेगा। वर्ग 10 के बाद के तकनीकी परीक्षा (आइटीआइ) में 75 फीसदी या इससे अंक लाने वालों को 550 रुपये प्रति माह दिया जायेगा।दसवीं के बाद डिप्लोमा की परीक्षा में 75 फीसदी या इससे अधिक अंक लाने वालों को 680 रुपये तथा इंटर के बाद इंजीनियरिंग, मेडिकल आदि की डिग्री पढ़ाई पढ़ने वाले विद्यार्थियों को पिछली परीक्षा में 70 फीसदी से अधिक अंक लाने पर 1800 रुपये प्रतिमाह दिया जायेगा।कंपनी इसके अतिरिक्त 11 वीं और 12 वीं की परीक्षा में अपने क्लास में टॉप 20 रैंक लाने वाले विद्यार्थियों को 1350 रुपये प्रतिमाह दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त परीक्षा में 95 फीसदी से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को भी 1350 रुपये प्रतिमाह दिया जायेगा।सामान्य स्नातक की परीक्षा में टॉप 20 विद्यार्थियों में शामिल रहने पर 1580 रुपये तथा तकनीकी स्नातक की परीक्षा में टॉप 20 में रहने पर 3160 रुपये प्रतिमाह स्कॉलरशिप दिया जायेगा।

दुमका-पाकुड़ मुख्य पथ जर्जर, बारिश से पहले मरम्मत नहीं होने से बढ़ सकती हैं मुश्किलें

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : काठीकुंड प्रखंड क्षेत्र से गुजरने वाली दुमका-पाकुड़ मुख्य सड़क इन दिनों कई जगहों पर बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। प्रखंड क्षेत्र के मधुबन-भुरकुंडा तथा आमतल्ला-जमनी गांव के बीच सड़क पर जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी परत और उभरे हिस्से राहगीरों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। सड़क की खराब हालत के कारण इस मार्ग पर सफर करना जोखिम भरा होता जा रहा है।यह सड़क दुमका और पाकुड़ को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां प्रतिदिन कोयला लदे सैकड़ों हाइवा और ट्रकों के अलावा गिट्टी लदे भारी वाहन गुजरते है। वहीं हजारों की संख्या में बसें, यात्री वाहन, छोटी गाड़ियां और बाइक चालक भी इसी सड़क का उपयोग करते है।भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण सड़क की स्थिति तेजी से खराब होती जा रही है।कई स्थानों पर सड़क की ऊपरी सतह पूरी तरह उखड़ चुकी है और बीच सड़क पर गड्ढे बन गए हैं। खासकर घुमावदार हिस्सों में सड़क की बदहाल स्थिति दुर्घटनाओं को न्योता दे रही है।वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने और वाहन नियंत्रित करने में कठिनाई हो रही है।रात के समय यह मार्ग और अधिक खतरनाक हो जाता है।

संक्षिप्त खबरें

फतेहपुर में कुम्हार समाज का शक्ति प्रदर्शन 10 मई को गोपीमोड़ में जुटेगा जनसैलाब

नए नेतृत्व के चयन को लेकर तेज हुई राजनीतिक-सामाजिक हलचल,गांव-गांव में जनसंपर्क अभियान

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : बिहार कुम्हार प्रजापति समन्वय समिति के प्रखंड स्तरीय चुनाव को लेकर फतेहपुर क्षेत्र में माहौल गर्म हो गया है। आगामी 10 मई को प्रखंड के गोपीमोड़ में आयोजित होने वाले महा सम्मेलन को लेकर समाज के लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। सम्मेलन में नए सिरे से प्रखंड कमेटी का गठन किया जाएगा, जिससे संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सम्मेलन को सफल बनाने के लिए समिति के कार्यकर्ता गांव-गांव संपर्क अभियान चला रहे हैं। घर-घर पहुंचकर समाज के लोगों को कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया जा रहा है। संगठन से जुड़े पदाधिकारी इसे समाज की एकजुटता और अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बता रहे हैं। समिति के अध्यक्ष प्रभु दयाल ने बताया कि सम्मेलन में संगठन विस्तार, शिक्षा, सामाजिक भागीदारी और समाज के विकास जैसे अहम मुद्दों पर व्यापक चर्चा होगी। साथ ही नई कमेटी के गठन के जरिए संगठन को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने की रणनीति तैयार की जाएगी।उन्होंने कहा कि इस बार महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। समाज के सर्वांगीण विकास में युवा शक्ति और महिलाओं की सक्रिय भूमिका को आवश्यक मानते हुए उन्हें बड़ी संख्या में सम्मेलन से जोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। आयोजन को लेकर कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा और जिम्मेदारी के साथ तैयारियों में जुटे हैं। आयोजन स्थल की व्यवस्था से लेकर लोगों को जोड़ने तक व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। समाज के लोगों को उम्मीद है कि यह महा सम्मेलन संगठनात्मक एकता को नई मजबूती देगा और समाज को नई पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा।

डिड्डुरी महायज्ञ में उमड़ रही आस्था की लहर, भक्तिमय हुआ पूरा क्षेत्र

4 मई से 10 मई तक चल रहे महायज्ञ में दूर-दराज से पहुंच रहे श्रद्धालु

शास्त्री पीताम्बरा दीदी के प्रवचन से गूंजायमान हो रहा यज्ञ स्थल, श्रद्धालु ले रहे धर्म लाभ

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र के डिड्डुरी गांव में आयोजित 108 हेमात्मक शतचंडी एवं प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ इन दिनों श्रद्धा और भक्ति का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। महायज्ञ में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। सुबह से लेकर देर शाम तक श्रद्धालु यज्ञ स्थल की फेरी लगाकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। पूरे क्षेत्र में धार्मिक वातावरण व्याप्त है और गांव भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आ रहा है।

महायज्ञ में आसपास के गांवों के अलावा झारखंड एवं अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई है। यज्ञ स्थल पर पेयजल, प्रकाश, बैठने और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई है। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए अलग आवासीय व्यवस्था भी की गई है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। महायज्ञ के दौरान कथा प्रवचन एवं रासलीला का भी भव्य आयोजन किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवचनकर्ता शास्त्री पीताम्बरा दीदी श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करा रही हैं। उनके प्रवचन को सुनने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वहीं प्रतिदिन आयोजित भंडारे में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ उठा रहे हैं। महायज्ञ का आयोजन 4 मई से प्रारंभ होकर 10 मई तक चलेगा। यज्ञाचार्य आचार्य डॉ. देवव्रत शास्त्री के निर्देशन में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया जा रहा है। आयोजन समिति में अध्यक्ष रामचंद्र प्रसाद, श्यामलाल राजवंशी एवं चंद्रिका प्रजापति, जबकि सचिव के रूप में सुदर्शन प्रसाद, मिथिलेश शर्मा एवं अरुण पंडित सक्रिय भूमिका निभा रहे हैंk

टनकुप्पा में सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस सख्त, चला विशेष वाहन जांच अभियान

बिना हेलमेट, सीट बेल्ट और नाबालिग चालकों पर कार्रवाई, वसूला गया जुमार्ना

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : जिला पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर टनकुप्पा थाना पुलिस द्वारा गया-रजौली स्टेट हाईवे 70 मुख्य सड़क पर लगातार विशेष वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत बिना हेलमेट बाइक चलाने वाले, बिना सीट बेल्ट चारपहिया वाहन चलाने वाले तथा नाबालिग चालकों के खिलाफ सघन जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों से जुमार्ना भी वसूला गया। थानाध्यक्ष बसंत कुमार राय ने बताया कि सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह गंभीर है और वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि अभिभावक अपने नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने की अनुमति न दें, क्योंकि इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने वाहन चालकों से वाहन के सभी आवश्यक कागजात अद्यतन रखने तथा यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप देखा गया, वहीं आम लोगों ने सड़क सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे अभियान की सराहना की।

नालंदा जिले में 4 लड़कियां कराई गई मुक्त, चार तस्कर गिरफ्तार

नालंदा, बिहारशरीफ (एजेंसी) : नालंदा जिले के सिलाव थाना क्षेत्र में मानव तस्करी और जबरन आर्केस्ट्रा में नृत्य करवाने के बड़े मामले का खुलासा किया गया है। सिलाव थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-06 स्थित एक किराये के मकान में आज शुक्रवार को संचालित दो आर्केस्ट्रा ग्रुपों में छापेमारी कर पुलिस ने 3 नाबालिग एवं 1 बालिग पीड़िता सहित कुल 4 लड़कियों को मुक्त कराया है। वहीं इस मामले में आर्केस्ट्रा संचालक एवं संचालिका समेत कुल 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

यह कार्रवाई अपर पुलिस महानिदेशक, कमजोर वर्ग, अपराध अनुसंधान विभाग, बिहार पटना डॉ. अमित जैन के निर्देश तथा पुलिस अधीक्षक नालंदा के मार्गदर्शन में की गई। एएचटीयू टीम, सिलाव थाना, महिला थाना एवं एसोसिएशन फॉर वॉलेन्ट्री एक्शन के संयुक्त सहयोग से यह विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। बताया जाता है कि पीड़ित लड़कियों को मानव तस्करी के जरिए विभिन्न स्थानों से लाकर आर्केस्ट्रा ग्रुप में रखा गया था। उनसे प्रताड़ित कर जबरन नृत्य करवाया जाता था।

बिहार के पर्यावरण मंत्री के रूप में डॉ रामचंद्र प्रसाद ने लिया पदभार

विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर ने माननीय मंत्री का किया स्वागत

पटना (एजेंसी) : पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के नवनियुक्त मंत्री डॉ रामचंद्र प्रसाद ने शुक्रवार को अरण्य भवन में पदभार ग्रहण किया। विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर ने उनका स्वागत किया और विभागीय कार्यों की जानकारी दी।पदभार ग्रहण करने के बाद मंत्री डॉ रामचंद्र प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार ने उन्हें एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, जिसका वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग राज्य के विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभाग द्वारा पूर्व में कई उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं और आने वाले समय में भी अनेक योजनाओं एवं पहलों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इस दौरान मंत्री ने विभाग की कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, वन संवर्धन और जलवायु परिवर्तन से जुड़े विषयों पर प्राथमिकता के साथ कार्य करने की बात कही।मौके पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) अरविंदर सिंह, प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रभात कुमार गुप्ता, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन डीके शुक्ला, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक अभय कुमार, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कैम्प) सुरेंद्र कुमार सिंह, मुख्य वन्य संरक्षक (आईटी) एस चंद्रशेखर, विशेष सचिव आलोक कुमार, सत्यजीत कुमार, वन संरक्षक (मुख्यालय), पटना जू के निदेशक हेमंत पाटिल सहित विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

मां के संघर्ष ने बेटे की बदली तकदीर : पति की मौत के बाद मजदूरी कर बेटे को बनाया रेलवे इंजीनियर

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : :कहते हैं कि मां की ममता और मेहनत के आगे हर मुश्किल छोटी पड़ जाती है। फतेहपुर प्रखंड के मोहरे गांव की मानती देवी ने अपने संघर्ष और हौसले से इस कहावत को सच साबित कर दिखाया है। पति की असमय मौत के बाद जहां परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, वहीं मानती देवी ने हार मानने के बजाय मेहनत और मजदूरी कर अपने बच्चों का भविष्य संवारने का संकल्प लिया। आज उनकी मेहनत रंग लाई है और उनका बेटा रेलवे में इंजीनियर बनकर मां का सपना पूरा कर चुका है। जानकारी के अनुसार, मानती देवी के पति गोपाल चौधरी की वर्ष 2010 में ताड़ के पेड़ से गिरकर मौत हो गई थी। पति के निधन के बाद परिवार की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और खेतों में मजदूरी कर बच्चों की पढ़ाई जारी रखी। मानती देवी बताती हैं कि उनका सपना था कि उनके बच्चे पढ़-लिखकर बेहतर जिंदगी जिएं। इसी सोच के साथ उन्होंने दिन-रात मेहनत की और बच्चों की पढ़ाई में कभी कमी नहीं आने दी। उनकी तपस्या और संघर्ष का परिणाम है कि बड़ा बेटा चंदन कुमार आज रेलवे में इंजीनियर है। वहीं मिथलेश चौधरी और श्रवण चौधरी मुंबई में निजी कंपनी में कार्यरत हैं। छोटा बेटा पंकज कुमार बीए की पढ़ाई कर रहा है, जबकि बेटी रीना कुमारी की शादी हो चुकी है। मानती देवी का जीवन संघर्ष आज समाज के लिए प्रेरणा बन गया है। विपरीत परिस्थितियों में भी जिस तरह उन्होंने हिम्मत, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर अपने परिवार को संभाला, वह हर मां के त्याग और समर्पण की मिसाल पेश करता है।

जर्जर मार्केट शेड से हादसे की आशंका, लोगों में दहशत

किशनगंज, (एजेंसी) : नगर पंचायत पौआखाली मुख्य बाजार स्थित सरकारी मार्केट शेड इन दिनों जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है। वर्षों पूर्व निर्मित यह शेड अब पूरी तरह खस्ताहाल हो गया है, जिससे दुकानदारों और बाजार आने वाले लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

जानकारी के अनुसार मार्केट शेड की छत कई स्थानों से टूट चुकी है। वहीं लोहे के एंगल और सीमेंट के हिस्से भी कमजोर होकर नीचे गिरने लगे हैं। बरसात और तेज हवा के दौरान स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है। बाजार क्षेत्र में प्रत्येक रविवार और गुरुवार को काफी भीड़ रहती है, ऐसे में लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई जा रही है। दुकानदारों ने बताया कि जर्जर शेड के कारण बाजार में अव्यवस्था बढ़ गई है और हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

कई लोगों ने बताया कि डर के कारण ग्राहक भी शेड के नीचे खड़े होने से बचते हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन एवं नगर पंचायत से मांग की है कि पुराने और खतरनाक हो चुके मार्केट शेड को जल्द हटाकर नया शेड बनाया जाए। साथ ही बाजार क्षेत्र में पार्किंग समेत अन्य बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में यह जर्जर ढांचा किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका सम्मेलन की तैयारी पूरी, संगठन की मजबूती पर होगी चर्चा

बिहार राज्य आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका कर्मचारी यूनियन संघ की बैठक संपन्न

गया जी (एजेंसी) : आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका कर्मचारी यूनियन संघ गया जिला शाखा की बैठक शुक्रवार को महासंघ कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता गया सदर प्रखंड मंत्री मधु कुमारी ने की। इस दौरान आगामी 10 मई को होने वाले गया सदर प्रखंड सम्मेलन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।प्रखंड मंत्री मधु कुमारी ने बताया कि सम्मेलन रविवार को सुबह 10 बजे से महासंघ कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां तय की गई हैं तथा अधिक से अधिक सेविकाओं और सहायिकाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

सम्मेलन में संगठन विस्तार और नई जिम्मेदारियों पर होगी चर्चा

बैठक के दौरान सर्वसम्मति से पुरानी कमेटी को निरस्त करने का निर्णय लिया गया। साथ ही नई कमेटी के गठन का प्रस्ताव भी तैयार कर लिया गया है जिसे आगामी सम्मेलन में अंतिम रूप दिया जाएगा। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि नई कमेटी के माध्यम से संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाया जाएगा ताकि आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहायिकाओं की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जा सके।

बैठक में संगठनात्मक एकजुटता बनाए रखने और सदस्यता अभियान को तेज करने पर भी सहमति बनी। उपस्थित सदस्यों ने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारी करने का भरोसा जताया।बैठक में सुमन कुमारी, सुनीता कुमारी, तारा देवी, संजू कुमारी, रेणु कुमारी सहित कई सेविका-सहायिकाएं मौजूद रहीं। सभी ने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

बंगाल की कानून-व्यवस्था व सुरक्षा मुद्दों पर तेज हुई राजनीतिक बयानबाजी

विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई की मांग को लेकर राजनीतिक माहौल हुआ गरम

गया जी (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल की राजनीति में कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और कथित माफिया तंत्र को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के समर्थकों और कुछ नेताओं की ओर से राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सांसद अभिषेक बनर्जी को लेकर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई गई है। हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने सोशल मीडिया पर अपने बयान में कहा कि बंगाल को बचाने के लिए राज्य के शीर्ष नेतृत्व पर कड़ी निगरानी और जांच की आवश्यकता है। साथ ही कथित तौर पर सीमा पार के माफिया और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से संबंधों की भी गहन जांच कराने की मांग की गई। बयान में आरोप लगाया गया कि राज्य की जनता लंबे समय से अत्याचार और भ्रष्टाचार का सामना कर रही है तथा अब बदलाव चाहती है।

राष्ट्रीय सुरक्षा और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर केंद्रित हुआ विवाद

बयान में यह भी कहा गया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर सभी संदिग्ध गतिविधियों और कथित माफिया संबंधों की निष्पक्ष जांच जरूरी है। भाजपा समर्थकों का दावा है कि राज्य में भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है, जबकि तृणमूल कांग्रेस इन आरोपों को राजनीतिक प्रेरित बता रही है।

जनता के मुद्दों पर बढ़ी सियासी सक्रियता

राजनीतिक दलों के बीच जारी इस बयानबाजी के बीच आम जनता रोजगार, सुरक्षा, महंगाई और विकास जैसे मुद्दों पर ठोस समाधान की अपेक्षा कर रही है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राज्य की राजनीति और अधिक गमार्ने की संभावना जताई जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर कार्यक्रम में गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर, एनसीसी कैडेट्स के अनुशासन और उत्साह ने बांधा समां

दरभंगा, (एजेंसी) : बिहार बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में सी.एम. कॉलेज के सेमिनार हॉल में आयोजित ह्लऑपरेशन सिंदूरह्व कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा की भावना से ओत-प्रोत वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इसके बाद एनसीसी कैडेट्स ने आकर्षक परेड संचलन एवं अनुशासन प्रदर्शन प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कैडेट्स की एकरूपता, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

इस अवसर पर आयोजित प्रेरणादायक व्याख्यान में वक्ताओं ने युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा समाज एवं देश के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति पर आधारित लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया, जिसने कैडेट्स एवं विद्यार्थियों में उत्साह और जोश का संचार किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. मुश्ताक अहमद ने की। उन्होंने कहा कि एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता एवं राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों के निर्वहन की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

भारतीय रेलवे में बड़ा बदलाव, अब एआई बताएगा आपका वेटिंग टिकट कन्फर्म होगा या नहीं

पटना, (एजेंसी) : भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। लगभग 40 साल पुरानी (1986 से चल रही) पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम को पूरी तरह बदला जा रहा है। अगस्त 2026 से रेलवे की सभी ट्रेनों को एक नई और आधुनिक प्रणाली पर शिफ्ट किया जाएगा। इस परियोजना की समीक्षा खुद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की है। नई रिजर्वेशन सिस्टम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का बड़े स्तर पर उपयोग किया जाएगा। अब यात्रियों को टिकट बुक करते समय ही यह जानकारी मिल सकेगी कि उनका वेटिंग टिकट कन्फर्म होने की कितनी संभावना है। पहले इस अनुमान की सटीकता लगभग 53 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर करीब 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इससे यात्रियों को यात्रा की योजना बनाने में काफी आसानी होगी और अनिश्चितता कम होगी। यानि नई एआई आधारित प्रणाली से रेलवे यात्रा और भी आसान, तेज और पारदर्शी होने की उम्मीद है।* रेलवन ऐप की बढ़ती लोकप्रियता

भारतीय रेल का मोबाइल ऐप ह्यरेलवनह्ण ऐप भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। जुलाई 2025 में लॉन्च हुए इस ऐप ने एक साल से भी कम समय में 3.5 करोड़ डाउनलोड का आंकड़ा पार कर लिया है। इस ऐप के जरिए रोजाना लगभग 9.29 लाख टिकट बुक किए जा रहे हैं, जिनमें 7.2 लाख अनारक्षित और 2.09 लाख आरक्षित टिकट शामिल हैं। इस ऐप के लोकप्रिय होने के कई कारणों में से सबसे बड़ा कारण यह है कि यह ऐप देश के आम आदमी को रेल संबंधी सभी जानकारियाँ तो देता ही है, टिकटिंग तथा अन्य सेवाओं से जुड़ी उनकी शिकायतों का भी निपटारा करता है। आज जब आप अपनी टिकट बनाते हैं, तो रेलवन ऐप आपको यह बताता है कि आपकी वेटिंग में दिख रही टिकट कन्फर्म होगी या नहीं। टिकट के कन्फर्म होने की सटीक संभावना भी अब आपको एआई के माध्यम से रेलवन ऐप बताने लगा है। यह नई सुविधा इस साल की शुरूआत से ही लागू की गई है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। रेलवन ऐप पर वेटिंग टिकट के कन्फर्म होने के अनुमान की सटीकता पहले के 53 प्रतिशत से बढ़कर अब 94 प्रतिशत तक पहुँच गई है। रेलवन ऐप में इस तरह की कई एकीकृत एवं आधुनिक सुविधाएँ हैं, जो रेल संबंधी अन्य सभी सेवाओं को भी अपने में समाहित किए हुए हैं।

सड़क हादसों पर लगेगा ब्रेक, ट्रेंड होंगे सरकारी व निजी वाहन चालक

परिवहन विभाग की बड़ी पहल, मुफ्त प्रशिक्षण से बढ़ेगी सड़क सुरक्षा

गया जी (एजेंसी) : सड़क दुर्घटनाओं में लगातार हो रही वृद्धि को रोकने के लिए जिला परिवहन विभाग ने बड़ी पहल शुरू की है। अब सरकारी और निजी वाहन चालकों को विशेष प्रशिक्षण देकर सुरक्षित वाहन चलाने के गुर सिखाए जाएंगे। परिवहन विभाग की ओर से यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होगा। इसका उद्देश्य चालकों को ट्रैफिक नियमों, सड़क सुरक्षा और दुर्घटना के समय जरूरी प्राथमिक उपचार की जानकारी देकर हादसों में कमी लाना है।

जिला परिवहन विभाग की ओर से इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारी अंतिम चरण में है और इसी माह के अंत तक इसे शुरू करने की योजना बनाई गई है। विभाग का मानना है कि जागरूक और प्रशिक्षित चालक सड़क सुरक्षा की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित होंगे।

रविवार को सरकारी, शनिवार को निजी चालकों की होगी ट्रेनिंग

प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत सरकारी वाहन चालकों को हर रविवार प्रशिक्षण दिया जाएगा। जबकि बस, ट्रक, टैक्सी, ऑटो और अन्य निजी वाहन चालकों के लिए प्रत्येक शनिवार को सत्र आयोजित किए जाएंगे। यदि शनिवार को अवकाश रहेगा तो प्रशिक्षण शुक्रवार या अगले सोमवार को कराया जाएगा।

प्रशिक्षण में सड़क सुरक्षा नियमों, वाहन चलाने के दौरान सावधानियां, ओवरस्पीडिंग से बचाव, सीट बेल्ट और हेलमेट के उपयोग, मोबाइल फोन के दुष्प्रभाव, खराब मौसम में ड्राइविंग और रात्रि वाहन संचालन जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी।

बस, ट्रक, टैक्सी, ऑटो और पुलिस वाहन चालक होंगे शामिल

इस अभियान के तहत बस, ट्रक, एग्रीगेटर टैक्सी, ऑटो, पिकअप, सरकारी वाहन और पुलिस वाहन चालकों को शामिल किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान दुर्घटना के बाद की स्थिति में क्या करना चाहिए, गोल्डन ऑवर का महत्व और प्राथमिक उपचार की बुनियादी जानकारी भी दी जाएगी।

प्रशिक्षित चालकों को मिलेगा प्रमाण पत्र और प्रोत्साहन राशि

प्रशिक्षण पूरा करने वाले चालकों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। साथ ही विभाग की ओर से अल्पाहार और प्रोत्साहन राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकारियों के अनुसार यह अभियान सिर्फ नियमों की जानकारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि चालकों के व्यवहार में बदलाव लाने पर भी जोर दिया जाएगा।

जिला परिवहन विभाग का मानना है कि यदि चालक ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए जिम्मेदारी से वाहन चलाएं तो सड़क दुर्घटनाओं और मौतों की संख्या में काफी कमी लाई जा सकती है। यही वजह है कि इस अभियान को सड़क सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। अपर जिला परिवहन पदाधिकारी बेबी कुमारी ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा सरकारी एवं निजी वाहन चालकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में ट्रैफिक नियमों, सुरक्षित ड्राइविंग, प्राथमिक उपचार, ओवरस्पीडिंग से बचाव और पैदल यात्रियों की सुरक्षा जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि सरकारी वाहन चालकों का प्रशिक्षण रविवार और निजी चालकों का प्रशिक्षण शनिवार को आयोजित किया जाएगा। बस, ट्रक, टैक्सी, ऑटो एवं पुलिस वाहन चालकों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जाएगा जिससे सड़क हादसों में कमी लायी जा सके।

संपादकीय

क्या राज्यपाल संवैधानिक मयार्दा से ऊपर हैं?

तमिलनाडु में चुनाव परिणाम आने के बाद उत्पन्न राजनीतिक स्थिति ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र में राज्यपाल की भूमिका को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। पहली बार चुनाव मैदान में उतरी अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी ने 108 सीटें जीतकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। इसके साथ ही सरकार बनाने का दावा विजय राज्यपाल के सम्मुख कर चुके हैं। कांग्रेस के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई। बहुमत के लिए 118 विधायकों की आवश्यकता है। इसके बावजूद राज्यपाल द्वारा सरकार गठन के लिए आमंत्रित न करना केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। भारतीय संविधान में राज्यपाल को एक संवैधानिक प्रमुख माना गया है, न कि राजनीतिक निर्णायक। संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यही है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की इच्छा सर्वोपरि होगी। जब किसी दल को स्पष्ट बहुमत न मिले, तब सबसे बड़े दल या गठबंधन को सरकार बनाने का अवसर देना एक स्थापित संवैधानिक परंपरा बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कई ऐतिहासिक फैसलों में यह स्पष्ट किया है कि बहुमत का परीक्षण विधानसभा के भीतर होना चाहिए, राजभवन में नहीं। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा और उत्तराखंड जैसे मामलों में न्यायपालिका ने बार-बार यही सिद्धांत दोहराया है।वर्तमान में तमिलनाडु का मामला इसलिए अधिक गंभीर माना जा रहा है क्योंकि चुनाव नतीजों के मुताबिक दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली अन्य पार्टियों ने सरकार बनाने का दावा ही प्रस्तुत नहीं किया है। ऐसी स्थिति में सबसे बड़े दल को शपथ ग्रहण का अवसर न देना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से बाधित करने जैसा प्रतीत होता है। राज्यपाल यदि यह कहें कि पहले पूर्ण बहुमत साबित करें, तभी शपथ दिलाई जाएगी, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि फिर विधानसभा में बहुमत परीक्षण की परंपरा का महत्व क्या रह जाएगा? पिछले कुछ वर्षों में देश के कई राज्यों में राज्यपाल और निर्वाचित सरकारों के बीच टकराव बढ़ा है। विपक्ष शासित राज्यों में विधेयकों को महीनों और कभी-कभी वर्षों तक लंबित रखना, सरकारों के प्रशासनिक निर्णयों में हस्तक्षेप तथा राजनीतिक बयानबाजी ने इस पद की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। संविधान निमार्ताओं ने राज्यपाल पद की कल्पना केंद्र और राज्य के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए की थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह पद कई बार राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनता दिखाई देता है।

तलवार ही सब कुछ है, उसके बिना न मनुष्य
अपनी रक्षा कर सकता है और न निर्बल की।
: गुरु गोविंद सिंह

निज भाषा उन्नति अहै, सब भाषा को मूल।
बिनु निज भाषा ज्ञान के, मिटै न हिय को शूल।
: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

स्वाधीनता का अप्रतिम योद्धा: हल्दीघाटी के महानायक महाराणा प्रताप की अमर गाथा

कहते हैं कि जिस राष्ट्र के पास अपने वीरों की गाथाएँ होती हैं, उसका इतिहास कभी पराजित नहीं होता। ऐसे ही एक वीर सपूत हुए हैं-मेवाड़ के सिसौदिया राजवंश से ताल्लुक रखने वाले अदम्य साहसी और स्वाभीमानी वीर महाराणा प्रताप। पाठकों को बताता चलूं कि 9 मई को राजस्थान में मेवाड़ के गौरव कहलाने वाले, भारतीय इतिहास की शौर्य गाथाओं में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित, स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करने वाले वीर योद्धा और अदम्य साहस के प्रतीक कहलाने वाले महाराणा प्रताप की जयंती को एक प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

महाराणा प्रताप का पूरा नाम महाराणा प्रताप सिंह सिसोदिया था, जिनका जन्म 9 मई,1540 को कुंभलगढ़ दुर्ग, राजस्थान में हुआ था, तथा जिनके पिता का नाम महाराणा उदयसिंह तथा माता का नाम रानी जयवंता बाई था। आपके बचपन का नाम कीका था,जो भील समुदाय द्वारा आपको दिया गया था। विश्व प्रसिद्ध स्वामीभक्त घोड़ा चेतक आपका सच्चा साथी था, जिसने हल्दीघाटी के युद्ध में अपनी बहादुरी का परिचय दिया था, जिससे चेतक का नाम आज भी पूरे सम्मान के साथ लिया जाता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि घायल होने के बावजूद चेतक ने 26 फीट लंबे नाले को एक छलांग में पार कर अपने स्वामी(महाराणा प्रताप)के प्राण बचाए थे। महाराणा प्रताप ने उस दौर में मुगलों का जमकर प्रतिरोध किया, जब उत्तर भारत के लगभग-लगभग सभी राजा मुगल बादशाह अकबर की अधीनता स्वीकार कर चुके थे। पाठक जानते होंगे कि इतिहास के सबसे भीषण माने जाने वाले युद्ध हल्दीघाटी के युद्ध (18 जून, 1576) में महाराणा प्रताप के पास सीमित सेना थी, जबकि मुगल सेनापति मानसिंह प्रथम के पास विशाल सैन्य बल था। जानकारी मिलती है कि इस युद्ध के बाद ही प्रताप ने छापामार युद्ध (गुरिल्ला वारफेयर) की नीति अपनाई। यहां यह भी गौरतलब है कि हल्दीघाटी का युद्ध वीरता, आत्मसम्मान और अदम्य संकल्प की अमर गाथा है। इतिहास में विवरण मिलता है कि हल्दीघाटी के युद्ध के दौरान इतनी अधिक संख्या में सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए थे, कि वहां की मिट्टी लाल हो गई थी। युद्ध स्थल के पास आज भी एक तालाब है जिसे रक्त तलाई कहा जाता है। माना जाता है कि युद्ध के दौरान यह तालाब पूरी तरह रक्त से भर गया था।

बहरहाल, यहां पाठकों को बता दूं कि इतिहासकारों के अनुसार इस युद्ध(हल्दीघाटी के युद्ध)को लेकर अलग-अलग मत हैं। सैन्य दृष्टि से मुगल सेना को बढ़त मिली, क्योंकि युद्धभूमि पर उनका नियंत्रण रहा और महाराणा प्रताप को पहाड़ों की ओर गमन करना पड़ा, लेकिन राजनीतिक और नैतिक दृष्टि से महाराणा प्रताप को पराजित नहीं माना जाता, क्योंकि वे न तो बंदी बने और न ही उन्होंने कभी मुगल शासक अकबर की अधीनता ही स्वीकार की। गौरतलब है कि युद्ध के बाद भी महाराणा प्रताप ने लंबे समय तक संघर्ष जारी रखा और मेवाड़ के बड़े हिस्से को पुनः अपने नियंत्रण में ले लिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भीलों ने महाराणा प्रताप के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और राणा पूंजा उनके प्रमुख सहयोगियों में थे।

गौरतलब है कि इतिहासकार हल्दीघाटी का युद्ध को निर्णायक विजय के बजाय अनिर्णायक युद्ध या मुगलों की सामरिक जीत लेकिन प्रताप की नैतिक विजय मानते हैं। यद्यपि अकबर और महाराणा प्रताप घोर प्रतिद्वंद्वी थे, लेकिन स्वयं अकबर, महाराणा प्रताप की वीरता, स्वाभिमान और संघर्षशीलता का सम्मान करता था।

सच तो यह है कि अकबर प्रताप की अदम्य स्वतंत्रता-भावना से प्रभावित बताया जाता है।कहा जाता है कि अकबर ने प्रताप के निधन का समाचार सुनकर दुख व्यक्त किया था।राजस्थानी कवि दुरसा आढ़ा ने वर्णन किया है कि अकबर ने प्रताप की मृत्यु पर कहा कि प्रताप जैसा वीर और स्वाभिमानी राजा दुर्लभ होता है।अकबर कई बार चाहता था कि महाराणा प्रताप उसकी अधीनता स्वीकार कर लें, लेकिन प्रताप ने इसे स्वीकार नहीं किया। गौरतलब है कि अकबर ने कई बार संधि प्रस्ताव भेजे, जिनमें मान सिंह प्रथम तथा राजा टोडरमल जैसे दूत शामिल थे, लेकिन प्रताप ने अधीनता स्वीकार नहीं की।इससे अकबर उनके दृढ़ चरित्र से प्रभावित था।कुछ लोकप्रिय कथनों में अकबर द्वारा प्रताप की प्रशंसा मिलती है, लेकिन इतिहासकार मानते हैं कि इनमें से कई कथन लोककथाओं और जनश्रुतियों पर आधारित हैं, इसलिए उन्हें शाब्दिक ऐतिहासिक प्रमाण नहीं माना जाता।

इतना ही नहीं, मेवाड़ का मैराथन कहे जाने वाले दिवेर के युद्ध (1582) में प्रताप ने मुगलों को बुरी तरह परास्त किया और मेवाड़ के एक बड़े हिस्से पर पुनः अधिकार कर लिया था। पाठकों को बताता चलूं कि आपने यह प्रतिज्ञा की थी कि जब तक चित्तौड़गढ़ स्वतंत्र नहीं हो जाता, वे पत्तलों पर खाना खाएंगे और घास की रोटियां खाकर जमीन पर सोएंगे।आप एक ऐसे वीर थे, जिन्होंने मेवाड़ की रक्षा खातिर अपनी सभी सुख-सुविधाओं का त्याग कर दिया था।हकीम खां सूरी आपकी सेना का नेतृत्व करने वाला एक प्रमुख सेनापति था, जो एक अफगान था। यह आपके धर्मनिरपेक्ष और योग्यता-आधारित दृष्टिकोण को दशार्ता है। गौरतलब है कि जब आपके पास संसाधनों की कमी हुई, तब प्रसिद्ध दानवीर भामाशाह ने अपनी पूरी संपत्ति आपको समर्पित कर दी थी, जिससे 25,000 सैनिकों का खर्च 12 वर्षों तक उठाया जा सकता था।अपने अंतिम समय में महाराणा प्रताप ने चावंड को अपनी राजधानी बनाया और मेवाड़ के अधिकांश खोए हुए दुर्गों को वापस जीत लिया था।

जानकारी मिलती है कि (ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार) महाराणा प्रताप लगभग 7 फीट 5 इंच लंबे थे तथा वे युद्ध में जो कवच और हथियार ले जाते थे, उनका वजन काफी अधिक होता था। मसलन, महाराणा प्रताप के बारे में यह कहा जाता है कि उनका भाला 81 किलो और छाती का कवच 72 किलो का था। कहते हैं कि यदि उनकी तलवार, ढाल और अन्य शस्त्रों को जोड़ दिया जाए, तो वे युद्ध में 200 किलो से अधिक का भार लेकर लड़ते थे। कहते हैं कि युद्ध के दौरान एक अत्यंत दुर्लभ घटना घटी थी जब महाराणा प्रताप ने मुगल सेनापति बहलोल खान पर अपनी तलवार से इतना जोरदार प्रहार किया कि खान के साथ-साथ उसके घोड़े के भी दो फाड़ हो गए थे। यह उनकी शारीरिक शक्ति का प्रमाण माना जाता है।महाराणा प्रताप ऐसे अदम्य साहसी वीर थे, जिन्होंने विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी मातृभूमि की रक्षा का संकल्प नहीं छोड़ा। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि आत्मसम्मान से बड़ा कोई धन नहीं होता। प्रसिद्ध इतिहासकार कर्नल जेम्स टॉड ने महाराणा प्रताप के बारे में यह कहा है कि-महाराणा प्रताप ने कभी अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं किया, यही उन्हें महान बनाता है। कर्नल जेम्स टॉड ने तो आपके बारे में यहां तक कहा है कि -राजस्थान की धरती पर प्रताप जैसा वीर पुरुष दूसरा नहीं हुआ। वहीं पर इतिहासकार गौरीशंकर हीराचंद ओझा उनके बारे में कहते हैं कि-महाराणा प्रताप भारतीय स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के अमर प्रतीक हैं। महाराणा प्रताप की मृत्यु 19 जनवरी 1597 को चावंड में हुई। माना जाता है कि शिकार के दौरान भारी धनुष खींचने से लगी अंदरूनी चोट के कारण उनका निधन हुआ। उनका अंतिम संस्कार बांडोली में किया गया।

अंत में, यहां पर यही कहूंगा कि महाराणा प्रताप का जीवन केवल हार और जीत का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि वह अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और आत्मसम्मान का प्रतीक है। उन्होंने अकबर जैसी महाशक्ति के सामने झुकने के बजाय संघर्ष का कठिन रास्ता चुना। उनका निष्कर्ष यही है कि विपरीत परिस्थितियों में भी यदि मनुष्य के पास दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो वह अपनी स्वतंत्रता और संस्कृति की रक्षा के लिए अंत तक लड़ सकता है। वे केवल मेवाड़ के राजा नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत के गौरव हैं। मां भारती के ऐसे वीर सपूत को शत शत नमन। जय-जय।

सुनील कुमार महला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बहुमत, राज्यपाल और लोकतंत्र- सरकार गठन पर सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक कसौटी

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव परिणाम केवल सीटों की गणना नहीं होते, वे जनादेश की संवैधानिक अभिव्यक्ति होते हैं। लेकिन जब किसी विधानसभा में स्पष्ट बहुमत नहीं आता, तब सबसे बड़ा प्रश्न यह खड़ा होता है कि सरकार बनाने के लिए किसे आमंत्रित किया जाए – सबसे बड़ी पार्टी को, पूर्व गठबंधन को, या उस समूह को जो बहुमत का दावा प्रस्तुत कर रहा हो?

पिछले तीन दशकों में भारत ने ऐसे अनेक राजनीतिक संकट देखे हैं, जहाँ राजभवन, न्यायपालिका और राजनीतिक दल आमने-सामने खड़े दिखाई दिए। इन परिस्थितियों में सुप्रीम कोर्ट ने धीरे-धीरे एक स्पष्ट संवैधानिक सिद्धांत विकसित किया – ह्लबहुमत का परीक्षण सदन के भीतर होगा, न कि राजभवन की धारणाओं में।ह्व

यह सिद्धांत केवल तकनीकी संवैधानिक व्याख्या नहीं, बल्कि भारतीय संसदीय लोकतंत्र की आत्मा है।सबसे बड़ी पार्टी बनाम बहुमत का दावाभारतीय संविधान में कहीं भी यह नहीं लिखा कि ह्लसबसे बड़ी पार्टीह्व को स्वतः सरकार बनाने का अधिकार होगा। संविधान का वास्तविक उद्देश्य स्थिर और उत्तरदायी सरकार सुनिश्चित करना है। इसलिए यदि कोई गठबंधन या समूह सदन में बहुमत साबित करने की स्थिति में है, तो मात्र इस आधार पर उसे नकारा नहीं जा सकता कि वह अकेली सबसे बड़ी पार्टी नहीं है।हालांकि यह भी ऐतिहासिक रूप से सत्य है कि सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने का न्योता देकर उसे बहुमत सिद्ध करने का मौका दिया जाता रहा है।अटलविहारी बाजपेयी को तो लगभग 100 सीटों की कमी के बावजूद सरकार बनाने का मौका इसी आधार पर दिया गया था कि वह सबसे बड़ी पार्टी थी।बहुमत सिद्ध न कर पाने पर 13दिन में उनकी सरकार गिर गई थी।

गोवा में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन भाजपा गठबंधन ने बहुमत समर्थन प्रस्तुत कर दिया। राज्यपाल ने गठबंधन को आमंत्रित किया और सुप्रीम कोर्ट ने शीघ्र फ्लोर टेस्ट का आदेश दिया।

कर्नाटक में भी सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद भाजपा पूर्ण बहुमत से दूर थी, जबकि कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन ने संयुक्त समर्थन का दावा पेश किया। अदालत ने स्पष्ट संकेत दिया कि संवैधानिक नैतिकता का अर्थ केवल अंकगणित नहीं, बल्कि पारदर्शी बहुमत परीक्षण है।

एस.आर. बोम्मई विरुद्ध भारतीय संघ

भारतीय संवैधानिक इतिहास का मील का पत्थर है। इस फैसले ने केंद्र और राज्यों के संबंधों, राष्ट्रपति शासन और बहुमत परीक्षण की सीमाएँ तय कीं।सुप्रीम कोर्ट ने कहा किः किसी सरकार का बहुमत राजभवन में तय नहीं किया जा सकता, निर्वाचित सरकार को हटाने का आधार केवल राजनीतिक अनुमान नहीं हो सकता,अंतिम निर्णय विधानसभा के पटल पर ही होगा।

इस फैसले ने राज्यपाल की भूमिका को ह्लसंवैधानिक मध्यस्थह्व तक सीमित करने का प्रयास किया। हालाँकि व्यवहार में यह प्रश्न आज भी विवादास्पद बना हुआ है कि क्या राज्यपाल वास्तव में निष्पक्ष संवैधानिक पदाधिकारी की तरह कार्य करते हैं या कभी-कभी राजनीतिक प्रभावों के केंद्र बन जाते हैं।

फ्लोर टेस्टः न्यायपालिका का लोकतांत्रिक हथियार

भारत की न्यायपालिका ने पिछले वर्षों में फ्लोर टेस्ट को लोकतांत्रिक वैधता का सबसे प्रभावी साधन बनाया है।

जगदंबिका पाल.से लेकर ,महाराष्ट्र.सरकार और शिवराज सिंह चौहान तक अदालतों ने यही कहा किःयदि बहुमत पर संदेह है, तो समाधान केवल फ्लोर टेस्ट है।

यह सिद्धांत इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह राजनीतिक सौदेबाजी, बंद कमरों की रणनीति और राजभवन आधारित निर्णयों की जगह सार्वजनिक लोकतांत्रिक परीक्षण को प्राथमिकता देता है।

संवैधानिक नैतिकता बनाम राजनीतिक अवसरवाद

भारतीय राजनीति में अक्सर ह्लसंवैधानिक प्रक्रियाह्व और ह्लसंवैधानिक नैतिकताह्व के बीच अंतर दिखाई देता है। तकनीकी रूप से कोई भी दल समर्थन जुटाकर सरकार बना सकता है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वह जनादेश की मूल भावना का सम्मान करता है?

यहीं पर राज्यपाल की भूमिका सबसे अधिक विवादित होती है।

किसे पहले बुलाया जाए?

कितना समय दिया जाए?

क्या रातोंरात शपथ दिलाना उचित है?क्या लंबा समय खरीद-फरोख्त को बढ़ावा देता है?

इन प्रश्नों पर सुप्रीम कोर्ट ने कई बार हस्तक्षेप किया है। विशेषकर कर्नाटक और महाराष्ट्र मामलों में अदालत ने अत्यंत शीघ्र फ्लोर टेस्ट कराकर यह संदेश दिया कि लोकतंत्र को अनिश्चितता में नहीं रखा जा सकता।

तमिलनाडु जैसी परिस्थितियों में संवैधानिक रास्ता

यदि किसी राज्य – जैसे तामिलनाडु में त्रिशंकु स्थिति बने, तो संवैधानिक दृष्टि से सबसे उचित मार्ग होगाःसभी दावेदारों से समर्थन सूची प्राप्त करउस पक्ष को अवसर देना जो बहुमत साबित करने की अधिक संभावना रखता हो,

सीमित समय में फ्लोर टेस्ट कराना,और पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखना।

लोकतंत्र का उद्देश्य केवल सरकार बनाना नहीं, बल्कि जनादेश की विश्वसनीय रक्षा करना है। यदि निर्वाचित विधानसभा होने के बावजूद लंबे समय तक यथास्थिति बनाए रखी जाती है, तो वह लोकतांत्रिक भावना के विपरीत माना ही जा सकता है।

भारतीय लोकतंत्र ने पिछले वर्षों में यह सीखा है कि सत्ता का वास्तविक परीक्षण अदालतों, प्रेस कॉन्फ्रेंसों या राजभवनों में नहीं, बल्कि विधानसभा के सदन में होता है।सबसे बड़ी पार्टी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण तत्व हो सकती है, लेकिन अंतिम कसौटी वही है जो संविधान की संसदीय आत्मा निर्धारित करती है – ह्लजिसके पास सदन का विश्वास हो, वही सरकार चलाए।

और यही कारण है कि भारतीय न्यायपालिका ने बार-बार फ्लोर टेस्ट को लोकतंत्र का सबसे निष्पक्ष और संवैधानिक उपाय माना है।

तामिलनाडु संकट को महासंकट बनाने से अधिक प्रासंगिक यही होगा कि सबसे बड़े दल को सरकार बनाने का मौका देकर फ्लोर टेस्टमें आगे बढ़ने का अवसर दे।

भूपेन्द्र गुप्ता

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दैनिक पंचांग

9 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	मकर में
मंगल	मीन में
बुध	मेष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	05.47 बजे से
मिथुन	07.45 बजे से
कर्क	09.58 बजे से
सिंह	12.14 बजे से
कन्या	14.26 बजे से
तुला	16.37 बजे से
वृश्चिक	18.52 ब.से
धनु	21.08 बजे से
मकर	23.13 बजे से
कुंभ	00.59 बजे से
मीन	02.32 बजे से
मेष	04.02 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 129 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 14.03 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 23.25 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 02.36 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 14.03 बजे तदनन्तर बालव 02.41 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 17° 18' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872704 **जूलियन दिन** 2461169.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 21 **विशेष** कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7506

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7505 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

पं बंगाल में शांति व्यवस्था को अराजकता हिंसा की चुनौती

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की अभूतपूर्व जीत के बाद जिस तरह की हिंसा और तोड़फोड़ की वारदातों की झड़ी लगी है बेशक वो टीएमसी के दबंगई भरे डेढ़ दशक के खिलाफ लोगों की नाराजगी और टीएमसी कार्यकताओं की सत्ता छिटकने की हताशा की प्रतिक्रिया हो सकता है लेकिन दोनों राजनीतिक दलों को संयम और समझदारी और सदाचार बनाए रखने की जरूरत है। भाजपा को भाजपा बनाए रखने के लिए इस तरह की अराजकता फैलाने से अपने कार्यकताओं को रोकना ही होगा हालांकि यह हिंसा एकतरफा नही है जिस तरह भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के पीए की बीती रात अज्ञात हमलावरों ने गोली मार कर हत्या की है वह बताता है कि हिंसा और अराजकता का दौर अभी थमने वाला नहीं है। कानून व्यवस्था की स्थिति को सख्ती से सुधारना होगा चुनाव बाद हिंसा में चार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

मौजूदा चुनाव नतीजों के साथ ही नौ मई को भाजपा सरकार की ताजपोशी की तैयारी शुरू कर दी गई है। इस चुनाव ने राज्य को राजनीति में एक नया इतिहास रच दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। राज्य में यह सत्ता बदलने का संकेत नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में एक बड़े वैचारिक और सामाजिक बदलाव की आहट भी हैं।जितना बडलंबे समय तक ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को बंगाल की राजनीति का सबसे मजबूत केंद्र माना जाता था।उधर कोलकाता में राज्य के पुलिस डीजीपी ने राज्य में चुनाव परिणाम के बाद आरही हिंसक वारदातों पर उपद्रवियों को कड़ी चेतावनी जारी की है दो सौ उपद्रवियों को गिरफ्तार किया गया है जबकि चार लोगों की हिंसा में मौत हो गई है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद मंगलवार और बुधवार को हिंसा की कई घटनाएं सामने आई हैं। भाजपा और टीएमसी के पार्टी प्रतिनिधियों ने दावा किया कि पिछले 24 घंटों में पूरे पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई कथित झड़पों में चार लोगों की मौत हो गई।

आपको बता दें पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के सामने आने के बाद बुधवार (6 मई) देर रात शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या से हड़कंप मच गया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि हत्या में इस्तेमाल की गई गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। गोली लगने के बाद चंद्रनाथ रथ को विवासिटी हॉस्पिटल लाया गया था, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या के मामले में एक के बाद एक चौंकाने वाली जानकारियां सामने आ रही हैं। पुलिस सूत्रों का दावा है कि घटना रात 10 बजे से 10:15 बजे के बीच हुई। बताया जा रहा है कि हमले के समय गाड़ी की अगली सीट पर चंद्रनाथ रथ और उनका ड्राइवर मौजूद थे। पीछे की सीट पर मिंटू नाम का एक व्यक्ति बैठा था, जिसे चंद्रनाथ रथ का करीबी बताया जा रहा है।सूत्रों के मुताबिक जिस सिल्वर रंग की गाड़ी के जरिए चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को रोका गया, उस गाड़ी के चेसिस नंबर मिटा दिए गए थे। यानि हमलावरों ने बहुत बारीकी से इस पूरे हत्याकांड की तैयारी की थी। जांच के फोकस में एक सिल्वर रंग की गाड़ी है, जिससे चंद्रनाथ रथ की गाड़ी को रोका गया था। रात तकरीबन 10 बजकर 20 मिनट पर चंद्रनाथ रथ की गाड़ी मेन हाईवे से उनके घर की गली की तरफ मुड़ी और घर से केवल 100 मीटर की दूरी पर इस गाड़ी को हमलावरों ने चंद्रनाथ रथ की गाड़ी के सामने लगा दिया। इसके बाद बाइक पर सवार एक हमलावर जिसने कैप पहनी हुई थी, उतरता है और ताबड़तोड़ 4 राउंड फायरिंग की। जिसमें से 3 राउंड रथ के सीने में लगा जिससे उनकी मौत हो गई और उनके ड्राइवर की हालत नाजुक है।

गौर करने वाली बात है कि चंद्रनाथ रथ वही शख्स हैं, जिन्होंने पिछले दिनों चुनाव के दौरान शुभेंदु अधिकारी का प्रतिनिधित्व करते हुए कई जगह देखे गए थे। जब ममता बनर्जी भवानीपुर के स्ट्रॉन्ग रूम में दाखिल हुईं, तो चंद्रनाथ रथ बीजेपी समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए थे।

चंद्रनाथ रथ (42) बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी के सहायक थे। चंद्रनाथ, शुभेंदु गृह के जिले पूर्वी मिदनापुर के चांदीपुर के रहने वाले थे। चंद्रनाथ भारतीय वायु सेना के पूर्व अधिकारी हैं। उन्होंने साल 2019 में शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक के तौर पर काम शुरू किया था, जब शुभेंदु ममता बनर्जी की सरकार में मंत्री थे। दिलचस्प बात यह है कि बंगाल चुनाव की मतगणना से ठीक तीन दिन पहले 30 अप्रैल को जब ममता बनर्जी शाखावत मेमोरियल हाई स्कूल स्थित भवानीपुर के स्ट्रॉन्ग रूम में दाखिल हुईं, तो चंद्रनाथ रथ बीजेपी समर्थकों के साथ वहां पहुंच गए थे। शुभेंदु अधिकारी की गैर-मौजूदगी में वे मतगणना केंद्र के बाहर हो रहे विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे, क्योंकि शुभेंदु उस रात पूर्वी मिदनापुर स्थित अपने गृह नगर कांथी के लिए रवाना हो चुके थे।

जैसा कि आप जानते हैं कि पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम के बाद ये आशंका जाहिर की जा रही थी कि हिंसक घटनाएं हो सकती हैं। राज्य में तोड़फोड़ और हिंसा की कई खबरें आने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने बयान जारी कर आरोप लगाया था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लोग अपनी पहचान बदलकर ऐसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और इन्हें बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के एक पार्टी प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि जहां उत्तरी 24 परगना के न्यू टाउन और हावड़ा के उदय नारायणपुर में भाजपा के दो कार्यकताओं की हत्या कर दी गई। वहीं टीएमसी ने कहा कि कोलकाता के बेलेघाटा और बीरभूम के नानूर में उसके दो सदस्यों की हत्या हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल की हत्या तब कर दी गई, जब वह न्यू टाउन में पार्टी की जीत की रैली में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। हावड़ा के उदयनारायणपुर में भाजपा कार्यकर्ता यादव बार की हत्या कर दी गई। टीएमसी के प्रवक्ता जय प्रकाश मजूमदार ने कहा, अब तक हमारे दो कार्यकताओं की हत्या हो चुकी है, एक बीरभूम में और दूसरा कोलकाता में। बीरभूम में, पीड़ित की पहचान पार्टी सदस्य अबीर शेख के रूप में हुई, जबकि बेलेघाटा में टीएमसी कार्यकर्ता बिस्वजीत पटनायक की हत्या कर दी गई

पुलिस ने अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं की है कि ये मौतें राजनीति से जुड़ी थीं या नहीं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने, जिन्होंने अपना नाम न बताने की शर्त पर बात की, कहा कि कम से कम दो मामले राजनीतिक नहीं थे।अधिकारी ने कहा, शुरूआती जांच से पता चलता है कि हावड़ा में हुई हत्या राजनीतिक नहीं थी। यह निजी दुश्मनी के कारण हुई थी। बेलेघाटा में, पीड़ित छत से कूद गया, जब कुछ लोग उसे ढूंढते हुए उसके दरवाजे पर आए और वह भागने की कोशिश कर रहा था।

कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय कुमार नंद ने कहा, कोलकाता के हॉग मार्केट में बुलडोजर से जुड़ी जो घटना हुई है, उस पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा, एक हत्या हुई है, लेकिन यह गैंगवार का मामला है। इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।

एक वरिष्ठ चुनाव अधिकारी ने कहा, चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और राज्य में तैनात केंद्रीय पुलिस बल को निर्देश दिया है कि वे राज्य में चुनाव के बाद होने वाली हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति सुनिश्चित करें।

मनोज कुमार अग्रवाल

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

अखिल भारतीय चौरसिया महासभा की राष्ट्रीय बैठक 9-10 मई को वाराणसी में

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

वाराणसी। अखिल भारतीय चौरसिया महासभा कोलकाता की राष्ट्रीय बैठक एवं सत्र 2026-2029 की चुनाव प्रक्रिया 9 व 10 मई को होटल रमाडा, कटेसर (वाराणसी) में आयोजित होगी। कार्यक्रम में देशभर से पदाधिकारी, ट्रस्टी व समाज के गणमान्य सदस्य शामिल होंगे।

9 मई को ह्लचौरसिया फाउंडेशन ट्रस्टह्व की बैठक में दिल्ली के रोहिणी में बन रहे छात्रावास परियोजना पर चर्चा होगी, जबकि 10 मई को महासभा का चुनाव संपन्न कराया जाएगा। चुनाव अधिकारी महेश कानड़ी, जगत नारायण चौरसिया एवं सुरेश चौरसिया की देखरेख में प्रक्रिया पूरी होगी।

बैठक में पूर्व राज्यपाल गंगाबाबू चौरसिया, पूर्व मंत्री कैलाश नाथ चौरसिया समेत कई जनप्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है।

वैश्य कुल गुरु मठ में सामूहिक उपनयन संस्कार सम्पन्न

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

वाराणसी। मच्छोदरी स्थित वैश्य कुल गुरु मठ (काशी) में शुक्रवार को महास्वामी श्री श्री वामनाश्रम स्वामी जी महाराज की प्रेरणा से वैश्य समाज के बच्चों का सामूहिक उपनयन संस्कार वैदिक मंत्रोच्चार एवं यज्ञोपवीत धारण के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत ब्रह्म मुहूर्त में वैश्य गुरु श्री संदीप कनेकर के सानिध्य में वैदिक पूजन एवं गणेश पूजन से हुई। समारोह का मुख्य आकर्षण बालकों को जनेऊ धारण कराकर गायत्री मंत्र की दीक्षा देना रहा। इस दौरान बच्चों ने अनुशासित जीवन जीने का संकल्प लिया।

उपनयन संस्कार में तुषार केशरी, अभिराज, कान्हा, केशव सौरी, गौरिश बरनवाल, प्राजव, राघव, कार्तिक एवं अर्जुन सहित कई बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अजय केशरी, संजय केशरी, राजकुमार जायसवाल, मनीष केशरी, पारस केशरी, मुरलीधर जायसवाल, प्रदीप मानसिंहका, कन्हैया जायसवाल, विनय केशरी एवं संदीप केशरी सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर, ड्रोन निर्माण में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा गूगल : वैष्णव

नई दिल्ली, ,(एजेंसी) : सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि इंटरनेट क्षेत्र की दिग्गज कंपनी गूगल भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्वर और ड्रोन निर्माण के क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं तलाश रही है।

वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गूगल के अधिकारियों के साथ अपनी मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि कंपनी भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्रों में भी अवसरों का आकलन कर रही है।

वैष्णव ने कहा, ह्लगूगल भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्वर तथा ड्रोन के निर्माण के क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाश रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह पहल देश में उभरते एआई इकोसिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब इसी वर्ष अप्रैल में गूगल ने विशाखापत्तनम में अपने 15 अरब डॉलर के एआई हब की आधारशिला रखी थी। सरकार पहले से ही सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और एआई आधारित तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत कदम उठा रही है। गूगल की संभावित निवेश योजनाओं को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

आआपा की सरकार पर भाजपा का आरोप, पंजाब को दोनों हाथों से लूटा जा रहा है

नई दिल्ली, ,(एजेंसी) :पंजाब की राजनीति में भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने आम आदमी पार्टी (आआपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब में साफ-सुथरी राजनीति का दावा करने वाली पार्टी की सच्चाई अब सामने आ रही है।उन्होंने कहा कि जो लोग ईमानदारी के प्रमाणपत्र बांटते थे, आज उनके करीबी सहयोगियों के ठिकानों पर छापे पड़ रहे हैं।तरुण चुग ने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि पंजाब की जनता ने बदलाव के नाम पर आआपा को मौका दिया था लेकिन आज राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।राज्य में माफिया मजबूत हुए हैं और भ्रष्टाचार पूरे सिस्टम में फैल चुका है। उन्होंने कहा कि, ह्ललूट की स्थिति ऐसी है कि दिल्ली से भेजे गए लोग और पंजाब से चुने गए नेता, दोनों इसमें शामिल हैं। पंजाब को दोनों हाथों से लूटा जा रहा है।

ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण चुनाव की तैयारियां शुरू, आयोग ने 14 से 24 जून के बीच तारीखों की घोषणा का दिया निर्देश

बेंगलुरु, (एजेंसी) :लंबे समय से प्रतीक्षित ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण (जीबीए) क्षेत्र की नगर निगम चुनाव प्रक्रिया को आखिरकार गति मिल गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिया है कि नगर निगम चुनाव की तारीखों की घोषणा 14 जून से 24 जून के बीच की जाए।

दरअसल, जीबीए क्षेत्र की पांच नगर निगमों के चुनाव की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। हालांकि बैठक में जीबीए के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री सहित उपमुख्यमंत्री मौजूद नहीं रहे। इसके बाद बैठक राज्य निर्वाचन आयुक्त जी. ए. संग्रेशी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जीबीए के मुख्य आयुक्त महेश्वर राव सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए राज्य निर्वाचन आयुक्त जी. ए. संग्रेशी ने कहा कि 14 जून से 24 जून के बीच चुनाव कार्यक्रम घोषित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कानून के अनुसार राज्य निर्वाचन आयोग को जीबीए के साथ परामर्श कर चुनाव की तारीख तय करनी होती है और इसी उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई थी।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि चुनाव कराने के लिए आवश्यक अधिकांश तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और अब केवल चुनाव तिथियों को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। जनगणना, घर-घर सर्वेक्षण तथा अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को ध्यान में रखते हुए उपयुक्त समय निर्धारित करने के लिए जीबीए को निर्देश दिए गए हैं।

संग्रेशी ने स्पष्ट किया कि आयोग ने जीबीए को 30 जून से पहले चुनाव कार्यक्रम तय करने को कहा है। उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में उच्चतम न्यायालय को भी जानकारी देनी होगी।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने यह भी कहा कि चुनाव स्थगित करने का अधिकार आयोग के पास नहीं है। आयोग ने केवल 14 जून से 24 जून के बीच चुनाव कार्यक्रम घोषित करने का निर्देश दिया है।

इस दौरान जीबीए के मुख्य आयुक्त महेश्वर राव ने जानकारी दी कि वार्ड परिसीमन, मतदाता सूची तैयार करने तथा आरक्षण प्रक्रिया का कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के लिए निर्वाचन अधिकारियों, सहायक निर्वाचन अधिकारियों और बूथ स्तरीय अधिकारियों की नियुक्ति की दिशा में भी कार्रवाई जारी है।

मुख्य आयुक्त ने कहा कि यदि कोई सरकारी प्रायोजित कार्यक्रम लंबित हैं, तो उन्हें जल्द पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं, ताकि चुनाव प्रक्रिया समय पर संपन्न कराई जा सके।

विधानसभा चुनावों के इंडेक्स कार्ड्स, सांख्यिकीय रिपोर्ट्स रिकॉर्ड समय में प्रकाशित

नई दिल्ली,(एजेंसी) : चुनाव आयोग ने पांच राज्यों में खत्म हुए विधानसभा चुनाव और पांच राज्यों की सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए रिकॉर्ड समय में इंडेक्स काड्र्स और सांख्यिकीय रिपोट्र्स प्रकाशित कर दी है। इंडेक्स काड्र्स में उम्मीदवारों, मतदाताओं, डाले गए मतों, गिने गए मतों, पार्टीवार और प्रत्याशीवार मतों का विस्तृत विवरण दिया गया है।आयोग ने बताया कि सभी 830 विधानसभा क्षेत्रों के लिए यह डेटा उपलब्ध करा दिया गया है। पश्चिम बंगाल की 144-फलता विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान 21 मई को होगा। आयोग ने बताया कि चुनाव परिणाम घोषित होने के 72 घंटे के भीतर इंडेक्स काड्र्स और सांख्यिकीय रिपोट्र्स जारी करना आयोग की पारदर्शिता और दक्षता का नया उदाहरण है। पहले यह प्रक्रिया कई सप्ताह से महीनों तक चलती थी क्योंकि फील्ड अधिकारियों द्वारा डेटा मैन्युअल रूप से भरा जाता था। ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म के आने से यह कार्य डिजिटल रूप से तेज हो गया है।आयोग ने कहा कि इंडेक्स काड्र्स को ईसीआईनेट ऐप और चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट से देखा जा सकता है। आयोग ने साथ ही 14 सांख्यिकीय रिपोट्र्स भी प्रकाशित की हैं। यह पहली बार है जब परिणाम घोषित होने के 72 घंटे के भीतर सांख्यिकीय रिपोट्र्स जारी की गई हैं।

गुजरात के वडोदरा की शिक्षिका ने हाथ से लिखी 2000 पन्नों की हिंदी में रामायण

वडोदरा, (एजेंसी) : गुजरात के वडोदरा की शिक्षिका रेखाबेन ठक्कर ने भक्ति और आध्यात्मिकता का अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया है। रेखाबेन ने करीब 20 महीनों की मेहनत और अटूट श्रद्धा से हिंदी भाषा में 2000 पन्नों की हस्तलिखित रामायण तैयार की है।

संगीत विषय में स्नातकोत्तर और अंग्रेजी शिक्षिका रेखाबेन ठक्कर कोरोना काल के दौरान टीवी पर प्रसारित रामायण से प्रेरित हुईं और

अपनी बचपन की यादों को ताजा होने के साथ उनके मन में कुछ विशेष और आध्यात्मिक करने का विचार आया। इसके बाद उन्होंने पूरी रामायण अपने हाथों से लिखने का संकल्प लिया।

वडोदरा के हरणी-वारसिया रिंग रोड क्षेत्र में रहने वाली रेखाबेन ने इस कार्य के लिए वडोदरा सेंट्रल लाइब्रेरी से रामायण के विभिन्न संस्करणों का अध्ययन किया। इसके बाद लगातार 20 महीनों तक नियमित लेखन कर उन्होंने यह विशाल ग्रंथ तैयार कर अपने संकल्प को पूरा किया रेखाबेन ने बताया कि हिंदी में रामायाण ग्रंथ के पूथा होने के बाद अब वह इस रामायण का गुजराती भाषा में अनुवाद भी कर रही हैं, ताकि राज्य के लोग भी अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें।

6 वर्षो से न्याय की आस में भटक रहे 44 श्रमिक, मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

पुराने श्रमिकों को हटाकर नए लोगों की बहाली का आरोप, बकाया वेतन और न्याय की मांग तेज

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

वाराणसी। नाटीइमली वाराणसी निवासी महेन्द्र कुमार सहित 44 श्रमिक साथियों ने भारतीय औद्योगिक व्यापार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रणजीत केसरी को प्रार्थना पत्र सौंपकर न्याय दिलाने की मांग की है। श्रमिकों का आरोप है कि वे सभी प्रीतम खन्ना रग्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडस्ट्रियल स्टेट चांदपुर वाराणसी में स्थायी रूप से कार्यरत थे, लेकिन उन्हें श्रम कानूनों के तहत मिलने वाली सुविधाओं से वंचित रखा गया।

श्रमिकों के अनुसार, कंपनी में न तो साप्ताहिक अवकाश दिया जाता था और न ही हाजिरी कार्ड, वेतन पर्ची तथा न्यूनतम वेतन की व्यवस्था थी। इसके अलावा पीएफ और ईएस-ाआई जैसी सुविधाओं से भी श्रमिकों को दूर रखा गया। आरोप है कि श्रमिकों से 8 घंटे के बजाय 10 से 12 घंटे तक कार्य कराया जाता था।

बताया गया कि ट्रेड यूनियन द्वारा श्रम विभाग में शिकायत किए जाने पर जांच के दौरान सभी श्रमिक मौके पर कार्यरत पाए गए थे। इसके बाद कम वेतन देने के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ, जिसमें फैसला श्रमिकों के पक्ष में आया। श्रमिकों का आरोप है कि फैसले के बाद कंपनी प्रबंधन उनसे नाराज हो गया और जबरन वाउचरों पर हस्ताक्षर कराने का दबाव बनाया जाने लगा। विरोध करने पर 11 अक्टूबर 2001 से सभी श्रमिकों को काम से वंचित कर दिया गया तथा उनकी जगह नए श्रमिकों की नियुक्ति कर दी गई।

पीड़ित श्रमिकों का कहना है कि पिछले 26 वर्षों से मामला लेबर कोर्ट में विचाराधीन है, लेकिन अब तक कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई। कोर्ट में केवल तारीख पर तारीख दी जा रही है। इस दौरान कई श्रमिकों की आर्थिक तंगी के चलते मृत्यु भी हो चुकी है। मृतक श्रमिकों के प्रमाण पत्र भी कोर्ट में जमा किए गए हैं, लेकिन फिर भी मामले में तेजी नहीं आई।

श्रमिकों ने मांग की है कि उन्हें 26 वर्षों का बकाया वेतन दिया जाए तथा पुराने श्रमिकों को न्याय दिलाया जाए। श्रमिकों ने मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर मामले का जल्द समाधान कराने की अपील की है।

पत्रक देते समय मुख्य रूप से महेंद्र कुमार सुदर्शन सिंह, अमला प्रसाद, संजय कुमार, शिवजीत कृष्णानंद सिंह, संजय सिंह, बाबूलाल सिंह, श्यामजीत,राकेश कुमार सिंह, चंदन कुमार उपस्थित रहे।

तमिलनाडु में 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम जारी, ईरोड जिला राज्य में प्रथम

चेन्नई, (एजेंसी) :तमिलनाडु में प्लस-2 (12वीं कक्षा) की सार्वजनिक परीक्षा के परिणाम शुक्रवार सुबह घोषित कर दिए गए। इस वर्ष राज्य में ईरोड जिला सबसे अधिक उत्तीर्ण प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान पर रहा। परीक्षा का आयोजन 2 मार्च से 26 मार्च तक किया गया था, जिसमें लगभग 8 लाख छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था।राज्य सरकार की ओर से जारी परिणामों के अनुसार, इस बार 93.19 प्रतिशत छात्र तथा 97 प्रतिशत छात्राएं परीक्षा में सफल हुई हैं। वहीं, पूरे तमिलनाडु में 489 स्कूलों ने शत-प्रतिशत परिणाम हासिल कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

जिलावार प्रदर्शन में ईरोड जिला 98.87 प्रतिशत उत्तीर्णता के साथ पहले स्थान पर रहा। शिवगंगई जिला 98.05 प्रतिशत के साथ दूसरे तथा कन्याकुमारी जिला 97.63 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

छात्र अपने परीक्षा परिणाम वेबसाइटों पर रजिस्ट्रेशन नंबर और जन्मतिथि दर्ज कर देख सकते हैं। इसके अलावा 78452-52525 नंबर पर व्हाट्सऐप के माध्यम से भी परिणाम प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

व्हाट्सऐप से परिणाम देखने के लिए छात्रों को 78452-52525 नंबर पर भेजना होगा। इसके बाद विभाग और कक्षा का चयन करने पर परीक्षा संख्या तथा जन्मतिथि दर्ज करनी होगी, जिसके बाद परिणाम स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाएगा।

परीक्षा परिणाम से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी, संदेह या परामर्श के लिए 14417, 104 और 14416 हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। स्कूलों के छात्र अपने-अपने विद्यालयों में भी परिणाम देख सकते हैं। साथ ही छात्रों और निजी परीक्षार्थियों के पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर एसएमएस के जरिए भी परिणाम भेजे जाएंगे।

इस अवसर पर राज्य के पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यमोझि ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि परीक्षा परिणाम जीवन का अंतिम सत्य नहीं है और विद्यार्थियों व अभिभावकों को इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से लेना चाहिए।

उन्होंने विश्वास जताया कि एम. के. स्टालिन के नेतृत्व में 2025-26 शैक्षणिक वर्ष में किए गए प्रयासों के कारण इस बार पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं।

नेपाल के कैसिनो, भारतीय युवाओं की बबार्दी के नये अड्डे

बहराइच, (एजेंसी) : ह्लचमकती रोशनी में कितने घर उजड़ गए, कुछ लोग खेलते रहे, कई सपने बिखर गए।

नेपाल के बांके जिले में संचालित कैसिनो अब केवल मनोरंजन का साधन नहीं रह गए हैं, बल्कि भारतीय युवाओं की बबार्दी का नया दरवाजा बन चुके हैं। भारत-नेपाल सीमा से सटे इन कैसिनो में ताश, शराब और नशे की चकाचौंध ने उत्तर प्रदेश समेत देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। इस गंदी लत के कारण अपनी जमा पूंजी गंवा कर कर्ज, नशे और बबार्दी के दलदल में धंसते जा रहे युवाओं को देश के विरुद्ध अपराधों में इस्तेमाल किये जाने का खतरा है।

उत्तर प्रदेश के बहराइच से सटे नेपाल में

नेपालगंज मुख्यालय को कैसिनो का हब माना जाता है, जहां दर्जनों कैसिनो भारतीय सैलानियों को आकर्षित करने के लिए संचालित हो रहे हैं। बहराइच, लखनऊ, सीतापुर, बलरामपुर, गोंडा, कानपुर, लखीमपुर, शाहजहांपुर, श्रावस्ती समेत कई जिलों के युवा यहां जुए की लत में पड़कर कर्ज में डूब गए हैं या कंगाली की कगार पर पहुंच गए हैं। सुबह सीमा पार जाने के लिए युवाओं की भीड़ रहती है और शाम ढलते ही वे खाली हाथ लौटते दिखाई देते हैं।

सूत्रों के अनुसार, पांच से दस लाख रुपये तक दांव लगाने वाले युवाओं को कैसिनो प्रबंधन उनके शहर से नेपालगंज तक लाने-ले जाने की सुविधा भी देता है। हारने की स्थिति में उन्हें घर तक छोड़ने की व्यवस्था की जाती है। कैसिनो में भारतीयों को मुफ्त शराब और बीयर परोसी जाती है, वहीं नृत्यांगनाओं द्वारा मनोरंजन भी कराया जाता है।जानकारी के मुताबिक, सीमा से लगे पांच से दस किलोमीटर के दायरे में दर्जनों कैसिनो संचालित हो रहे हैं, जिनमें नेपालियों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित है। यहां केवल भारतीय और विदेशी नागरिकों को ही प्रवेश दिया जाता है। हर रोज करोड़ों रुपये की भारतीय मुद्रा कैसिनो में खपाई जा रही है,

गुजरात देश के अग्रणी बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम में हुआ शामिल

अहमदाबाद,(एजेंसी) : देश के पहले सोलर विलेज मोढेरा के सफल मॉडल के बाद गुजरात अब बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) यानी बिजली संग्रहण प्रणाली के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। यह जानकारी राज्य सूचना विभाग ने दी।

मोढेरा के बाद गुजरात में वर्तमान में कुल 5 स्थानों पर 870 मेगावाट क्षमता वाली बैटरी स्टोरेज परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इसके अलावा अहमदाबाद, गांधीनगर, बनासकांठा, पाटन और कच्छ जिलों में 13 नए प्रोजेक्ट्स का रजिस्ट्रेशन भी किया गया है। हाल ही में अहमदाबाद जिले के साणंद तालुका के चराल गांव में नई बैटरी स्टोरेज प्रणाली शुरू की गई है। इसके अलावा महेसाणा के मोढेरा और कच्छ के लखपत सहित अन्य स्थानों पर भी यह व्यवस्था कार्य काम कर रही है।

राज्य सूचना विभाग के बयान के अनुसार मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सोलर पावर प्लांट के साथ बैटरी स्टोरेज प्रणाली को तेजी से विकसित किया गया है। राज्य सरकार ने गुजरात इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी-2025 में आधुनिक ऊर्जा संग्रहण प्रणालियों को विशेष महत्व दिया है। इसके तहत स्वतंत्र बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट्स, नए रिन्यूएबल ऊर्जा प्रोजेक्ट्स के साथ एकीकृत बैटरी स्टोरेज और मौजूदा ऊर्जा परियोजनाओं से जुड़े स्टोरेज सिस्टम को मंजूरी दी जा रही है।बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम बिजली को संग्रहित करने का कार्य करता है। सोलर और अन्य रिन्यूएबल स्रोतों से दिन में बिजली उत्पादन अधिक होता है, जबकि शाम के समय उत्पादन कम हो जाता है। ऐसी स्थिति में दिन के अतिरिक्त उत्पादन को बैटरी में संग्रहित कर शाम के पीक लोड के दौरान उपयोग किया जा सकता है। इससे बिजली ग्रिड पर अचानक बढ़ने वाले दबाव को कम करने और सप्लाई को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलती है।

गुजरात सरकार की स्मार्ट रणनीति राज्य सरकार प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से कंपनियों को इस क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित कर रही है। बैटरी स्टोरेज सिस्टम को रिन्यूएबल प्रोजेक्ट्स के निकट स्थापित करने की योजना बनाई गई है, ताकि अतिरिक्त ऊर्जा को तुरंत संग्रहित किया जा सके और ट्रांसमिशन लॉस कम हो।

शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके।

ऐसे बने घर में अपने बच्चों के टीचर

ग्लोबल टीचर प्राइज जीतने वालीं ब्रिटेन की शिक्षिका एंड्रिया जाफिरकाऊ कहती हैं कि आभासी तरीके से बच्चों को पढ़ाना कठिन है क्योंकि कक्षा का माहौल बच्चों को एकाग्र बनाता है। वह कहती हैं कि इस वक्त शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां कराना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके। वे घर में रंग, कागज, कलम और रोचक खेल खेलते हुए समय बिताएं।

कोरोना वायरस की इस लड़ाई ने मासूम बच्चों को उनके स्कूल, टीचर और दोस्तों से दूर कर दिया है। पर बच्चों के लिए सबसे जरूरी उनकी पढ़ाई है इसलिए कोविड-19 से लड़ रहे देशों में ई-लर्निंग को वैकल्पिक माध्यम बनाया जा रहा है। इस तकनीक के बाबजूद अभिभावकों के लिए यह समय चुनौतीभरा है क्योंकि बच्चों को पढ़ाने का दारोमदार पूरी तरह उन पर आ गया है। आइए आज जानते हैं कि अभिभावक घर में रहकर अपने बच्चों को ई माध्यमों से पढ़ाई के लिए किस तरह प्रोत्साहित कर सकते हैं और शिक्षक की भूमिका निभा सकते हैं।

अरब दुनिया के बच्चे स्कूल से हैं दूर– विश्व आर्थिक मंच ने संस्कृति व शिक्षा से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ कोरोना वायरस के दौर की चुनौतियों पर चर्चा की। इस दौरान वहां मौजूद शिक्षकों ने माना कि अपने बच्चे को पढ़ाना दुनिया में सबसे ज्यादा कठिन काम है क्योंकि वह अभिभावक की जगह शिक्षक से पढ़ने का आदी होता है। ऐसे में अभिभावकों की चुनौतियां बहुत अधिक हैं, इन विशेषज्ञों ने अभिभावकों के लिए ये सुझाव दिए हैं .

सवाल पूछने दें – रचनात्मकता सवालों से पैदा होती है, बच्चों के हर सवाल को धैर्य से सुने और उसका हल खोजने में उनकी मदद करें।

लक्ष्य तय करें – हर दिन के लिए एक लक्ष्य या चुनौती तय करें, जिससे बच्चों के साथ मिलकर पूरा करने में लग जाएं। उन्हें पूरा समय दें।

री-डू सिखाएं – घर में पड़े इस्तेमाल न होने वाले सामान को निकालकर बच्चों संग उससे कुछ रचनात्मक बनाएं इससे बच्चों में पुरानी चीजों के दोबारा इस्तेमाल की आदत बनेगी।

ऑनलाइन मदद – पढ़ाई या कुछ रचनात्मक बनाते समय ऑनलाइन माध्यमों की मदद लेने से न झिझकें, हर वक्त बच्चों के सामने परफेक्ट दिखने सही नहीं। अलग सोचे – बच्चों की आर्ट, क्राफ्ट से बाहर की रचनात्मक दुनिया से पहचान करवाएं। कपड़े कैसे तय करें, कमरे की सफाई, किचन आदि काम सिखाएं।

स्कूल वापसी – इस बात को सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने शिक्षक और दोस्तों के संपर्क में बने रहे क्योंकि तब ही उनके मन में स्कूल वापस लौटने का ख्याल बना रहेगा।

तकनीक सीखें – ई-लर्निंग के जरिए अगर बच्चा पढ़ रहा है तो इस दौरान उसे तकनीक संबंधी समस्या आ सकती है इसलिए बच्चे के साथ मिलकर इन तकनीकों को सीखें।

सब्जी में ऊपर से नमक डालना हो सकता है खतरनाक

नमक, स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी उपयोगी है। मगर, हर चीज की एक तय सीमा होती है। इसी तरह नमक से ज्यादा प्यार भी आपकी सेहत के लिए हजारों खतरे पैदा कर सकता है। बेशक आपको नमक इतना पसंद है कि आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

खाना बनाते वक्त नमक सबसे पहले याद आता है। आप चाहे जितने भी अच्छे और खुशबूदार मसाले डाल लें, लेकिन अगर खाने में नमक नहीं है, तो सारा खाना बेस्वाद हो जाता है। बेशक आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

नमक और आपकी सेहत

नई दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ.जुगल किशोर कहते हैं, 'नमक हमारे शरीर की इलेक्ट्रोलाइट संबंधी जरूरतों को पूरा करता है यानी इससे हमें सोडियम, पोटैशियम और कैल्शियम मिलता है। इसके अलावा इससे आयोडीन भी मिलता है। लेकिन, खाने में नमक ज्यादा हो जाए तो भी दिक्कत है और कम हो तो भी दिक्कत है। रोजाना की खुराक में नमक यानी सोडियम क्लोराइड की मात्रा पांच ग्राम से कम होनी चाहिए। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि नमक ज्यादा खाने की आदत के साथ रक्तचाप संबंधी समस्या भी बढ़ने लगती है। जितनी भी दिल से जुड़ी बीमारियां हैं, वे रक्तचाप के कारण ही होती हैं। इसके अलावा नमक के ज्यादा सेवन से किडनी पर भी दबाव पड़ता है। उच्च रक्तचाप का मस्तिष्क पर भी असर पड़ता है। यानी शरीर के जो मुख्य अंग हैं, वे ज्यादा नमक के सेवन से प्रभावित होने लगते हैं। यही वजह है कि नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। एक और बात को ध्यान में रखने की जरूरत है, रोटी, चावल, दलिया आदि खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक तौर पर सोडियम मौजूद होता है। ऐसे में इनमें नमक न भी डाला जाए तो भी सोडियम की पूर्ति हो जाती है। उच्च रक्तचाप के मरीज को भी चार से पांच ग्राम नमक ही दिन भर में खाना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए किसी भी डिश में ऊपर से नमक डालकर खाने की आदत को भी बदलना जरूरी है।

मात्रा तय करें

खाना बनाते वक्त आप उसमें कितना नमक डाल रही हैं, उसकी मात्रा को देखना एक अच्छा आइडिया है। कितने लोगों के लिए सब्जी पकाई जा रही है, उसे किस तरह से पकाया जा रहा है, नमक डालते वक्त इन सब बातों को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपके परिवार के सदस्यों को ज्यादा नमक खाने की आदत है तो धीरे-धीरे खाने में नमक की मात्रा कम करती जाएं। संभव है कि शुरुआत में उन्हें परेशानी हो, पर जल्द ही उन्हें कम नमक वाला खाना भी पसंद आने लगेगा। मसाले, टमाटर और धनिया व पुदीना आदि भी खाने में नमक की कम मात्रा को संतुलित करने में आपकी मदद करेंगे। इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर में सीनियर डाइटीशियन डॉ.हिमांशी शर्मा के मुताबिक, 'इसमें कोई दोराय नहीं है कि आयोडीन युक्त नमक हमारी सेहत के लिए जरूरी है। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ होने वाले शिशु की सेहत पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे दिमाग चुस्त-दुरुस्त रहता है और याददाश्त मजबूत बनी रहती है। लेकिन कुछ लोग रोजाना के खाने में ज्यादा नमक का सेवन करने लगते हैं। यह मात्रा कई बार रोजाना नौ से दस ग्राम नमक के सेवन तक पहुंच जाती है। रोजाना की डाइट में नमक की मात्रा पांच ग्राम तक ही सीमित रखें। हमेशा याद रखें कि बिना डॉक्टरी सलाह के कभी भी नमक का सेवन पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से भी आपको सेहत से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।'

विकल्प हैं बेहतर

अगर आपको ज्यादा नमक खाने की आदत है, तो इससे निजात पाने के लिए नमक के अन्य विकल्पों पर अपना ध्यान केंद्रित करें। इसके लिए आप नीबू और सिरका की मदद ले सकती हैं। स्वाद के लिहाज से नमक की कमी को यह काफी हद तक पूरा करते हैं। अदरक, लहसुन और कुछ सूखे मसाले भी इसमें मददगार साबित हो सकते हैं। बेशक ये नमक का विकल्प नहीं बन सकते हैं, लेकिन नमक की ज्यादा खाने की जो लत है, उसे कम करने में ये चीजें काफी मददगार साबित हो सकती हैं।

बदलें खाना पकाने का तरीका

कुछ सब्जियां और व्यंजन ऐसे होते हैं, जो लोगों को कम ही पसंद आते हैं। कई बार उनका स्वाद बढ़ाने के लिए हम उसमें नमक ज्यादा मात्रा में डालने लगते हैं। सलाद में ज्यादा मात्रा में नमक डालना, खाने के साथ सब्जी की तरह ढेर सारा अचार खाना आदि पहली नजर में बेहद सहज लगता है, पर धीरे-धीरे खानपान से जुड़ी ये आदतें हमारे शरीर में प्रतिदिन पांच ग्राम से ज्यादा नमक पहुंचाने लगती हैं। इसका असर सेहत पर देर-सबेर नजर आने लगता है। ऐसे में जरूरत है खाना पकाने का तरीका बदलने की। आपके परिवार के सदस्य जिन सब्जियों का नाम सुनकर ही मुंह बनाने लगते हैं, उन्हें अब दूसरे तरीके से पकाकर देखिए। सादा तरीके से उन सब्जियों को बनाने की जगह उन्हें रोस्ट या ग्रिल करके पकाएं। इससे खाना स्वादिष्ट भी लगेगा और नमक पर भी नियंत्रण बना रहेगा।

प्रोसेस्ड फूड से बनाएं दूरी

रेडी-टू-ईट फूड और तरह-तरह के प्रोसेस्ड फूड को अपनी डाइट में कम-से-कम मात्रा में शामिल करें। इनमें नमक और चीनी दोनों की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसकी जगह घर में बने ताजा खाने को तरजीह दें। सही मात्रा में नमक के सेवन का यह सबसे अच्छा तरीका है। आप अपनी डाइट में सेहतमंद खाद्य पदार्थों को जितनी ज्यादा मात्रा में शामिल करेंगी, नमक की मात्रा उसी अनुपात में संतुलित होती जाएगी।

न करें यह गलती

फल खा रहे हों या सलाद या फिर सामान्य तौर पर खाना। नमक कम लगने पर हम ऊपर से नमक डालने लगते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं है। एक तो नमक ज्यादा मात्रा में शरीर में पहुंचता है, वहीं सलाद और फल के पोषक तत्व भी कम होने लगते हैं। सीमित मात्रा में नमक का सेवन ही काफी नहीं है,उसे किस तरीके से खाया जाना चाहिए, यह तरीका जानना भी उतना ही जरूरी है।

सुकून चाहती हैं तो वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित करें

अपने प्रोफेशनल जीवन में आप आगे बढ़ना चाहती हैं, नए मुकाम हासिल करना चाहती हैं। लेकिन इस बात पर भी ध्यान देना जरूरी है कि आपकी महत्वाकांक्षाएं कहीं आपके जीवन को प्रभावित तो नहीं कर रहीं। प्रोफेशनल लाइफ में आगे बढ़ने के साथ जिंदगी खुशगवार बनाए रखना बेहद जरूरी है, तभी आप वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित कर सकती हैं। कुछ बातें इस काम में आपकी मदद करेंगी

स्मार्ट तरीके से काम करें

अगर आप अपनी नींद के घंटे घटाकर काम कर रही हैं तो कोई उसकी हिमायत नहीं करेगा। अमेरिकी अकादमी से संबद्ध मैट माइट अपने ब्लॉग वर्कलाइफ बैलेंस में कहते हैं, 'आजकल लोग अपने दिमाग को ज्यादा काम करने और कम सोने के लिए अड्टयस्त बना रहे हैं, लेकिन यह चलन सही नहीं है। आपके लिए काम के घंटे जितने महत्वपूर्ण हैं, काम के बाद का समय उतना ही मूल्यवान है।' मेंटल हेल्थ फाउंडेशन का सुझाव है कि काम ज्यादा नहीं, स्मार्ट होना चाहिए। इसके लिए वरीयता स्पष्ट होनी चाहिए और हर काम के लिए समय तय होना चाहिए। गैर जरूरी चीजों में नहीं उलझना चाहिए।

काम को घर न लाएं

ऑफिस से बाहर निकलने से पहले उन कामों की सूची बना लें, जो पूरे नहीं हो पाए। लेकिन काम की लिस्ट बनाने के बाद खुद को पूरी तरह ऑफिस के काम से आजाद कर लें। यही सोचें कि आप शाम को घर पर परिवार के साथ क्या करने जा रही हैं। अगर आप मानसिक तौर पर ऑफिस में ही फंसी हुई हैं तो एक गहरी सांस लें और इस बात का अहसास करें कि आप ऑफिस से बाहर आ गई हैं। इससे आपका मन शांत और स्थिर रहेगा।

ना कहना सीखें

अगर आप काम के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, तो स्वाड्टाविक रूप से आप पर काम का बोझ बढ़ जाएगा। अगर आप आदतन काम के लिए हां कह देती हैं तो कुछ अतिरिक्त काम मिलने पर तुरंत हां कहने से पहले थोड़ा ठहर जाएं। आप कुछ देर बाद उस पर जवाब देने के लिए कह सकती हैं और इस दौरान इस बात पर विचार कर सकती हैं कि आपको हां कहना चाहिए या नहीं। अगर हां कहना चाहती हैं, तो अच्छी बात है लेकिन अगर ना कहने की इच्छा है, तो ना ही कहें और अपनी प्रतिक्रिया देने से पहले स्वयं कई बार ना बोलने का अड्टयास करें।

काम के लिए 'शहीद' होने की जरूरत नहीं

कुछ महिलाओं में यह प्रवृति होती है कि वे सब काम खुद ही कर लेना चाहती हैं। उन्हें इस भाव में जीना अच्छा लगता है कि वे व्यस्त हैं और उनके बारे में ज्यादा चर्चा होती है। इस बात को गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि इससे दूसरे लोगों पर क्या प्रभाव पड़ रहा होगा। ज्यादातर लोग अत्यधिक काम यह सोचकर ले लेते हैं कि इससे दूसरों की नजर में उनका सम्मान बढ़ जाएगा। इस प्रवृति के साथ आपके सिर कितना बोझ बढ़ जाएगा, अगर आप इस बात पर विचार करें तो शायद आप ऐसा व्यवहार नहीं करेंगी।

हर वक्त आपाधापी अच्छी नहीं

चाहे ऑफिस हो, जिम हो या कोई पार्टी हो, क्या आप हर जगह दौड़ते-ड्टागते पहुंचती हैं आपको इस बात पर निगरानी रखने की जरूरत है। आपको खुद से यह पूछने की जरूरत है कि आपकी जिंदगी कैसी चल रही है। असल में जल्दबाजी करने वाले लोग एक चीज खत्म होने पर दूसरी चीज के लिए हड़बड़ी करने लगते हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में आप अपने दोस्तों और अपने परिवार वालों के लिए समय कैसे निकालेंगी आपाधापी में थकान होना ड्टी स्वाड्टाविक है, इसीलिए हर वक्त भागमभाग से बचें।

रिटायरमेंट के बारे में सोचें

कुछ महिलाएं काम में इस कदर डूब जाती हैं कि उन्हें उसी में आनंद मिलता है। अगर आप पूरा वक्त काम में ही दे देंगी तो किसी बुरे हालात में फंस जाने मसलन, जॉब न कर पाने की स्थिति खड़ी हो जाने, जॉब छूटने या व्यवसाय नहीं चल पाने पर आप खुद को कैसे संभालेंगी और इनसे इतर रिटायरमेंट के बाद आप समय किस तरह बिताएंगी, क्या आपने इस बारे में सोचा है अगर रिटायरमेंट के बाद भी आप थोड़ा-बहुत काम करें तो आपके लिए अच्छा है, लेकिन आपको अपने कुछ और शौकों को पूरा करने के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि रिटायरमेंट के बाद भी आप सक्रिय रह सकें।